संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 216
पृष्ठ 8
रविवार
26 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या बार-बार गैस पास...

विचार- आने को है आर्थिक दिक्कतों का दौर

खेल- हरभजन सिंह ने थप्पड़ कांड से...

जय श्रीराम बोलने पर ममता दीदी को बुरा लगता है

योगी बोले- 4 मई के बाद टीएमसी के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध किया। इस अधिनियम से पाकिस्तान और बांग्लादेश से परेशान होकर आए हिंदू, बौद्ध और जैनों को भारत की नागरिकता मिलेगी। लेकिन, ममता दीदी को बुरा लगता है कि अगर हिंदू ज्यादा होंगे तो सड़क पर इफ्तारी कैसे होगी।

यूपी में कोई सड़क पर इफ्तार पार्टी नहीं कर सकता, नमाज भी नहीं पढ़ सकता। मस्जिद से कोई आवाज भी नहीं आती। अब ज्डब सरकार से मुक्ति का समय आ गया है। 4 मई को जब रिजल्ट आएगा तो ज्डब के गुंडों को कहीं छुपने की जगह नहीं मिलने वाली है।श

सीएम योगी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली में ये बातें कहीं। उन्होंने नदिया

जिले की नवद्वीप और पूर्व वध्मान जिले की कटवा सीट पर चुनाव प्रचार किया। इसके बाद उत्तर 24 परगना जिले में जनसभा को संबोधित करेंगे।

बंगाल विभाजन के समय वंदे मातरम् हर बंगाली का हथियार बना था, लेकिन ममता दीदी को इन सबसे चिढ़ है। बंगाल में जय श्रीराम बोलने से उन्हें परेशानी होती है। कोलकाता हाईकोर्ट को आदेश देना पड़ा था कि जो लोग दुर्गा पूजा में अव्यवस्था फैला रहे हैं, उन्हें रोका जाए।

बंगाल में माफिया राज की प्रतीक बनी यह सरकार कुछ सुनने को तैयार नहीं है। आपने परसों देखा होगा कि ज्डब के गुंडों ने कैसे भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया।

कभी भारत की अर्थव्यवस्था में बंगाल का सबसे ज्यादा योगदान था। बेटियां और बहनें सुरक्षित हुआ करती थीं, लेकिन अब गुंडा टैक्स वसूला जा रहा। कैटल माफिया, सैंड माफिया और लैंड माफिया बढ़ रहे हैं।

2017 तक यूपी में भी यही स्थिति थी। व्यापारी पलायन कर रहे थे, लव जिहाद और लैंड जिहाद की घटनाएं बढ़ती जा रही थीं। जय श्रीराम बोलने पर लाठी और गोली चलती थी। आज यूपी में डबल इंजन सरकार है। आज यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा है, यूपी में सब चंगा है।

जिस बंगाल ने भारत को पहचान दी, आज उसी के सामने पहचान का संकट है। ज्डब की सरकार 15 सालों में माफिया राज, आतंक और भ्रष्टाचार का प्रतीक बन चुकी है। उसके गुंडे सरेआम घूम रहे हैं। पहले चरण की वोटिंग में लोगों ने रिकॉर्ड मतदान किया।

पीएम मोदी ने नीति आयोग की नई टीम को सराहा, बोले

यह जीवन को सुगभ बढ़ाने वाला स्तंभ है

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी और अन्य पूर्णकालिक सदस्यों को सरकार के शीर्ष नीति थिंक टैंक निकाय में उनकी नियुक्ति के लिए शुभकामनाएं दीं। मोदी ने दिन में नई दिल्ली में लाहिड़ी से मुलाकात की, जो इस भूमिका में उनकी पहली आधिकारिक मुलाकात थी। सोशल मीडिया पर, पीएम ने नवनियुक्त सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं भेजीं। मोदी ने एक्स पर लिखा, नीति आयोग भारत की नीति–निर्माण संरचना में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देता है, सुधारों को आगे बढ़ाता है और जीवन की सुगमता को बढ़ाता है। यह विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। श्री अशोक कुमार लाहिड़ी जी को उपाध्यक्ष बनने पर मेरी शुभकामनाएं। नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्य बनने पर श्री राजीव गौबा जी, प्रो. के. वी. राजू जी, प्रो. गोबर्धन दास जी, प्रो. अभय करंदीकर जी और डॉ. एम. श्रीनिवास जी को भी मेरी शुभकामनाएं। मैं उन सभी के लिए आगे एक उत्पादक और प्रभावशाली कार्यकाल की कामना करता हूं। इस बीच, लाहिड़ी, जो बंगाल से बीजेपी विधायक भी हैं। दिन में दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की। बैठक का विवरण ज्ञात नहीं है, लेकिन इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि थिंक टैंक की भारत के आर्थिक नीति ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लाहिड़ी के अलावा, बंगाल का एक और प्रमुख नाम, वैज्ञानिक गोबर्धन दास, थिंक टैंक के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए हैं।

सत्ता से बाहर होंगी ममता, पहले चरण में भाजपा जीतेगी 110 सीटें : शाह

पूर्व वर्धमान (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान में एक जनसभा में सत्ताधारी दल टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर करारा हमला बोला है। अमित शाह ने चुनावी रैली में कहा– पहले चरण के मतदान में ही भाजपा 110 सीटें जीतेगीय ममता बनर्जी सत्ता से बाहर हो जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि टीएमसी ने सीएए लागू करने से इनकार कर दिया है और बंगाल में भाजपा को सत्ता में लाने का वादा किया है ताकि मतुआ समुदाय के सभी लोगों को नागरिकता मिल सके।

इस दौरान अमित शाह ने कहा कि पूरे बंगाल में

घूमता–घूमता आज मैं जमालपुर में आया हूं। टीएमसी की जगह यहां कमल फूल की सरकार बनेगी, भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने आगे कहा, श्ममता सरकार में 15 साल में सबसे ज्यादा संत्रास अगर किसी पर हुआ है तो माताओं–बहनों पर हुआ है। आरजी कर, संदेशखाली, कोलकाता लॉ कॉलेज, दुर्गा लॉ कॉलेज... हर जगह पर माताओं–बहनों के साथ अत्याचार हुआ। और ये दीदी कहती हैं कि माताएं–बहनें सात बजे के बाद घर के बाहर न निकलें, लेकिन मैं बताकर जाता हूं कि 5 तारीख के बाद छोटी बच्ची भी रात को एक बजे निकलेगी और कोई गुंडा आंख उठाकर भी नहीं देख पाएगा।

गृह मंत्री ने इस दौरान कहा कि मतुआ समुदाय के लोगों को अब डर में जीने की जरूरत नहीं है। ये दीदी सीएए कानून को लागू नहीं करती है। आप कमल फूल की सरकार बना दो, 5 तारीख के बाद सभी मतुआ समाज के भाईयों–बहनों को नागरिकता देने का काम भाजपा की सरकार करेगी।

दीदी के गुंडे मतदान के दौरान मतदाताओं को डराने–धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं इन गुंडों को स्पष्ट चेतावनी देना चाहता हूं।

आप में भगदड़ पर कांग्रेस का तंज, जयराम रमेश बोले

मोदी की वाशिंग मशीन लौट आई

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सांसदों के सत्तारूढ़ खेमे में जाने के बाद कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की। एक्स पर बोलते हुए रमेश ने कहा कि भाजपा की वाशिंग मशीन मोदी के वाशिंग पाउडर के साथ वापस आ गई है। जिन्होंने खुद को सदाचार, सत्यनिष्ठा और विचारधारा का प्रतीक बताया था, वे बुरी तरह बेनकाब हो गए हैं। उन्होंने राघव चड्ढा और भाजपा के साथ गठबंधन करने वाले छह अन्य सांसदों का जिक्र करते हुए कहा कि वे बुरी तरह बेनकाब हो गए हैं। कांग्रेस के पूर्व सांसद अधीर रंजन चौधरी ने भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा राघव चड्ढा को लुभाने में कामयाब रही। भाजपा शिकार की इस राजनीति को जानती है, यह बंगाल में भी होता है३ जब ममता बनर्जी को लगता है कि चुनाव परिणाम खतरे में हैं, तो वह भी मैदान में उतरती हैं और अपनी एजेंसी, आई–पीएसी, को शिकार के लिए लगाती हैं।

भाजपा शासन में अब पीड़ित को प्रताड़ित करने की बनी है नयी व्यवस्था : प्रियंका

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में एक युवती की हत्या से पहले उसकी शिकायत दर्ज करने में आनाकानी करने, फिर दबंगों के पीड़ित परिवार पर दबाव बनाने को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है और कहा है कि भाजपा शासन में अब यह नयी व्यवस्था बन गयी है। श्रीमती वाड्रा ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, ष्उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक लड़की की हत्या के मामले में पहले प्राथमिकी दर्ज करने में आनाकानी, फिर पीड़ित परिवार को धमकियां मिलना और दबंगों द्वारा अराजकता फैलाना यह दिखाता कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार चरम पर है। उन्होंने कहा ष्भाजपा राज में अब यही अघोषित कानून बन गया है कि जब भी किसी महिला पर अत्याचार होता है तो पीड़ित को ही और प्रताड़ित किया जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा ष्महिलाओं को लेकर प्रधानमंत्री जी की बड़ी–बड़ी बातें सिर्फ दिखावा हैं। उन्नाव हो, हाथरस हो, प्रयागराज हो या गाजीपुर, जहां भी महिलाओं के साथ अन्याय हुआ, भाजपा अपनी पूरी सत्ता के साथ पीड़िता के खिलाफ, अत्याचारी के साथ खड़ी हो गई। देश भर की महिलाएं ये अंधेरगर्दी देख रही हैं।

प्रवेश की ओर से जारी तस्वीरें केजरीवाल के घर की नहीं, करेंगे मानहानि का मुकदमा : आप

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार के मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने उनकी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर की फर्जी फर्जी तस्वीरें जारी की हैं और कहा कि इसके लिये पार्टी उन पर मानहानि का मुकदमा करेगी। आप के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने आज यहां चेतावनी दी कि जिन अन्य लोगों ने भी श्री केजरीवाल के घर की फर्जी तस्वीरें प्रचारित की है उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा किया जायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्री वर्मा द्वारा जारी सारी तस्वीरें फर्जी हैं, जो शपिंट्रेस्टश से डाउनलोड की गई हैं। उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, एलजी और श्री वर्मा अपना घर जनता के लिए खोल दें, अरविंद केजरीवाल भी अपना घर खोल देंगे। जनता को पता चल जाएगा कि किसका घर कितना आलीशान हैं? उन्होंने भाजपा को श्भारतीय झूठा पार्टीश करार दिया और कहा कि झूठ फैलाने के लिए ये लोग हिटलर के प्रचार सचिव गोएबल्स के सिद्धांत का पालन करते हैं और इसी तरह से झूठ फैलाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा, ष्मैं फिर दिल्ली की मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल और प्रवेश वर्मा को चुनौती देता हूं कि वे तीनों अपना घर खुलवाएं। अरविंद केजरीवाल का घर भी खुलेगा, जनता जाएगी, देखेगी और खुद फैसला कर लेगी। आप की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि श्री वर्मा ने पूरी मीडिया को बुलाकर श्री केजरीवाल के नए घर की तथाकथित तस्वीरें दिखाईं लेकिन मजे की बात ये है कि ये तस्वीरें उनके घर की नहीं, बल्कि शपिंट्रेस्टश से डाउनलोड की गई हैं।

लोकरंजन प्रकाशन एवं शहर समता विचार मंच

के संयुक्त तत्वावधान में

लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी

रचना सक्सेना कृत ग़ज़ल संग्रह - "और मै जिन्दा रही" का लोकार्पण

अध्यक्षता	-	श्री रविनंदन सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार
मुख्य अतिथि	-	श्री यश मालवीय, वरिष्ठ साहित्यकार
मुख्य अतिथि	-	डॉ. रवि मिश्रा, प्रोफेसर, साहित्यकार
विशिष्ट अतिथि	-	डॉ. सरोज सिंह, प्रोफेसर
विशिष्ट अतिथि	-	डॉ. अमिता पाण्डेय, प्रोफेसर
विशिष्ट अतिथि	-	सुश्री ज्योतिर्मय श्रीवास्तव, साहित्यकार,

कार्यक्रम स्थल:- हिन्दुस्तानी एकेडमी का सभागार'
दिनांक २६.०४.२०२६ (रविवार)

प्रथम सत्र:- लोकार्पण: दिन में ११.३० बजे से दोपहर २.३० तक
द्वितीय सत्र:- काव्य गोष्ठी: दोपहर २.४० सायकाल ०५ बजे तक

डॉ आदित्य नारायण सिंह, श्री रंजन पाण्डेय
संस्थापक
लोक रंजन प्रकाशन

संजय सक्सेना
संयोजक

उमेश श्रीवास्तव
संस्थापक,
शहर समता विचार मंच

करेली में पिता ने बेटे को उतारा मौत के घाट, अवैध संबंध के शक में हत्या की आशंका

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के चाट वाली गली में शुक्रवार देर रात रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई। 17 वर्षीय प्रियांशु जायसवाल की उसके ही पिता पप्पू जायसवाल ने हथौड़े नुमा हथियार से हमला कर हत्या कर दी। करेली थाना क्षेत्र के चाट वाली गली में शुक्रवार देर रात रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई। 17 वर्षीय प्रियांशु जायसवाल

की उसके ही पिता पप्पू जायसवाल ने हथौड़े नुमा हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पिता मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, अवैध संबंध के शक को लेकर पिता और बेटे के बीच देर रात कहासुनी हो गई थी। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने गुस्से में आकर बेटे पर ताबड़तोड़ वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त घर पर मृतक की मां मौजूद नहीं थी। शनिवार सुबह सूचना पर पहुंची करेली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगा दी गई हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामले की जांच की जा रही है।

बेल्ट, घड़ी, टोपी, चश्मा उतरवाकर केंद्रों में अभ्यर्थियों को मिला प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती–2025 की तीन दिवसीय लिखित परीक्षा शनिवार से जिले में शुरू हो गई। पहले दिन पहली पाली में 14,016 अभ्यर्थी शामिल होना है। सुबह 8 बजे से ही परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों का पहुंचना शुरू हो गया। उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती–2025 की तीन दिवसीय लिखित परीक्षा शनिवार से जिले में शुरू हो गई। पहले दिन पहली पाली

में 14,016 अभ्यर्थी शामिल होना है। सुबह 8 बजे से ही परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों का पहुंचना शुरू हो गया, जिससे कई स्थानों पर भीड़ देखने को मिली। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। केंद्रों के बाहर पुलिस ने अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली। इस दौरान अभ्यर्थियों से जूते, बेल्ट, घड़ी, टोपी, चश्मा और ब्लूटूथ डिवाइस उतरवाकर चेकिंग की गई। साथ ही प्रवेश द्वारों पर विशेष सतर्कता बरती गई और हर केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। यह परीक्षा शनिवार, रविवार और सोमवार को जिले के 37 केंद्रों पर आयोजित की जा रही है। जिसमें कुल 84,096 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे, जबकि शनिवार को दोनों पालियों में 28,032 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। अभ्यर्थियों की भारी संख्या को देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था भी दुरुस्त की गई है। एक दिन पहले से ही यातायात पुलिस अलर्ट रही, जिससे परीक्षा के दौरान जाम की स्थिति से निपटा जा सके।

एसटी/एससी मामलों में मजिस्ट्रेट को एफआईआर के बजाय परिवाद दर्ज करने का विवेकाधिकार: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में स्पष्ट किया है कि एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध की एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली अर्जी पर मजिस्ट्रेट का पूर्ण विवेकाधिकार है कि वह एफआईआर का आदेश दे या उसे परिवाद के रूप में दर्ज कर साक्ष्य पेश करने का निर्देश दे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में स्पष्ट किया है कि एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध की एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली अर्जी पर मजिस्ट्रेट का पूर्ण विवेकाधिकार है कि वह एफआईआर का आदेश दे या उसे परिवाद के रूप में दर्ज कर साक्ष्य पेश करने का निर्देश दे। न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकलपीठ ने एम्स गोरखपुर के एमबीबीएस छात्र जितेंद्र भाटी की ओर से दायर अपील को खारिज करते हुए यह आदेश दिया है। अपीलार्थी जितेंद्र भाटी ने आरोप लगाया था कि 27 नवंबर 2024 को एम्स के एक वार्षिक समारोह के दौरान और उसके बाद 30 नवंबर को उसके सहपाठियों ने उसे जातिसूचक गालियां दीं, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना की शिकायत डीन और हॉस्टल वार्डन से करने के बावजूद जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो पीड़ित ने विशेष अदालत में बीएनएसएस की धारा 173(4) के तहत अर्जी दाखिल कर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। विशेष जज गोरखपुर ने 29 जुलाई 2025 के आदेश से एफआईआर के बजाय इसे परिवाद के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया था। अपीलार्थी ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

पुलिस का काम अपराधों की जांच करना है, जोड़ों का पीछा करना नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस का काम अपराधों की जांच करना है, न कि बालिग जोड़ों की शादियों की जांच करना और उनका पीछा करना। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस का काम अपराधों की जांच करना है, न कि बालिग जोड़ों की शादियों की जांच करना और उनका पीछा करना। कोर्ट ने कहा कि जब कोई व्यक्ति बालिग हो जाता है तो किसी को भी यह बताने का अधिकार नहीं है कि वह किसके साथ रहेगा, किससे शादी करेगा या अपना जीवन कैसे बिताएगा। इस टिप्पणी के साथ ही कोर्ट ने अपहरण के आरोप में दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने दिया है। सहारनपुर के थाना सदर बाजार में एक पिता ने याची के खिलाफ उनकी बालिग बेटी का अपहरण करने और विवाह के लिए मजबूर करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोपी ने प्राथमिकी को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

उपलब्धि: रामचरित मानस की तर्ज पर अब गाया भी जा सकेगा संविधान, गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ कीर्तिमान

प्रयागराज। भारत के संविधान को अब पढ़ा ही नहीं बल्कि कविता और छंद के रूप में लयबद्ध तरीके से गाया भी जा सकेगा। राम चरित मानस की तर्ज पर इसको लयबद्ध किया गया है। इस उपलब्धि का रिकॉर्ड गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है।

भारत की विधि गरिमा गढ़कर, संविधान शुचि कृति लाए... गठित किए प्रारूप समिति को, निर्माता शोभा पाए। संविधान का नाम सुनते ही अक्सर लोगों के मन में कठिन भाषा और मोटी किताब की छवि उभरती है, लेकिन अब भारत का संविधान रामचरित मानस की तरह गाया, समझा और आसानी से याद किया जा सकेगा। पहली बार देश के संपूर्ण संविधान को दोहा, रोला और विभिन्न छंदों में पिरोया गया है। भारत सहित नेपाल, इंडोनेशिया, सिंगापुर और कुवैत आदि देशों के 142 रचनाकारों ने मिलकर इस महाग्रंथ को काव्य के रूप में सृजित किया है, जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है।

अब तक संविधान मूल रूप से गद्य विधा में ही उपलब्ध था, जिसका अब मानक हिंदी भाषा में छंदबद्ध भावानुवाद किया गया है। इस महाग्रंथ में संविधान के सभी अनुच्छेदों को 2110 दोहों और 422 रोलों में पिरोया गया है, जबकि संविधान के 22 भागों को 22 अलग–अलग छंदगीतों के रूप में प्रस्तुत किया गया है। भारत माता गीत और संविधान संशोधन सहित कुल 26 छंदों का प्रयोग किया गया है। अब इसे गीत के रूप में रिकॉर्ड किए जाने की तैयारी है।

आसानी से याद कर सकेंगे विद्यार्थी

इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि संविधान के मूल भाव को बिना बदले, उसे सरल, सहज और मधुर गीत के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इसे आमजन, विद्यार्थी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी आसानी से समझ और याद कर सकें। 26 नवंबर 1949 की ऐतिहासिक तिथि से प्रेरित होकर 26 छंदों में संविधान की पूरी आत्मा को समेटा गया है। इस कार्य की शुरुआत 26 नवंबर 2022 को हुई और 26 नवंबर 2023 को इसे पूरा करने में सफलता मिली।

512 पन्नों के इस ग्रंथ की

रचना करने में 14 वर्ष के बाल सृजनकार से लेकर 81 वर्ष की वरिष्ठ रचनाकार तक सहभागी बनीं। हम भारत के लोग से प्रेरित होकर इस रचना में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध धर्म की 92 महिलाएं और 48 पुरुषों ने इसका सृजन कर अनेकता में एकता की अद्भुत मिसाल पेश की है।

उपलब्धि को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

इस अद्वितीय साहित्यिक उपलब्धि को अंतरराष्ट्रीय पहचान भी मिली है। इस कृति को फर्स्ट पोएट्री बुक ऑन कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ इंडिया शीर्षक से गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज किया है। इस विश्व रिकॉर्ड को संयुक्त रूप से संपादक डॉ. ओमकार साहू 'मृदुल', सह संपादक डॉ. मधु शंखधर 'स्वतंत्र' और सह संपादक डॉ. सपना दत्ता 'सुहासिनी' ने हासिल किया है। भारतीय संविधान पर आधारित पहली काव्यात्मक पुस्तक 'छंदबद्ध भारत का संविधान' को 29 अक्तूबर 2023 को प्रदर्शित किया गया था, जिसे भारत का पहला संविधान विषयक काव्य ग्रंथ माना गया।

संगीतमय संविधान के कुछ छंद

बाइस भाग व नौ अनुसूची, प्रारंभिक रूप समाया।
अनुच्छेद त्री शत पंचान्बे, भाव विधिक यह पहुंचाया।।
संशोधन से वृद्धि सदा कर, न्याय सकल जग दर्शाया।
सन पचास छब्बीस जनवरी, लागू हो करके आया।।
अर्थ : संविधान के प्रारंभिक रूप में 22 भाग और आठ अनुसूचियां शामिल थीं। इसमें 395 अनुच्छेद थे, जिनमें विधिक और भावनात्मक दोनों प्रकार के प्रावधान समाहित थे। समय–समय पर संशोधनों के माध्यम से इसमें आवश्यक वृद्धि और सुधार किए गए, जिससे न्याय और समानता की भावना पूरे समाज में बनी रहे। यह संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ और देश के शासन का आधार बना।
तिथि अगस्त उनतीस गठित विधि, सन सैंतालिस में आया।
भीमराव अध्यक्ष बने थे, नीति नियम की वह छाया।।
कठिन परिश्रम का फल शाश्वत, सन अड़तालिस तक आया।
देश सभ्यता संस्कृति शासन, दर्पण दर्शन का लाया।।
अर्थ : 29 अगस्त 1947 को संविधान निर्माण के लिए प्रारूप समिति का गठन किया गया। इस समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर बने, जिन्होंने नीति और नियमों के आधार पर संविधान की रूपरेखा तैयार की। उनके कठिन परिश्रम और सतत प्रयासों का परिणाम यह हुआ कि 1948 तक संविधान का प्रारूप तैयार होकर सामने आया। इस संविधान ने देश की सभ्यता, संस्कृति, शासन व्यवस्था और मूल आदर्शों को एक दर्पण की तरह स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। जिस प्रकार संस्कृत की जटिलताओं के कारण वाल्मीकि रामायण सीमित रही, लेकिन गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस सरलता और गेयता के कारण जन–जन तक पहुंची। उसी प्रकार छंदबद्ध संविधान का उद्देश्य संविधान को आम जनता तक सरल और सहज रूप से पहुंचाना है। – डॉ. मधु शंखधर 'स्वतंत्र'

बिना टिकट यात्री ले जाने वाले कंडक्टर को सेवा में रहने का हक नहीं, परिचालक की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के एक परिचालक की बर्खास्तगी को उचित ठहराते हुए स्पष्ट किया है कि बस में यात्रियों को बिना टिकट ले जाना एक गंभीर कदाचार है और ऐसे कर्मचारी को सेवा में बने रहने का हक नहीं है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के एक परिचालक की बर्खास्तगी को उचित ठहराते हुए स्पष्ट किया है कि बस में यात्रियों को बिना टिकट ले जाना एक गंभीर कदाचार है और ऐसे कर्मचारी को सेवा में बने रहने का हक नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की पीठ ने याचिकाकर्ता जगदंबा प्रसाद पांडेय की याचिका को खारिज करते दिया है। न्यायालय ने इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों का हवाला देते हुए यह भी स्पष्ट किया कि अनुशासनिक कार्रवाई के मामलों में हाईकोर्ट तब तक हस्तक्षेप नहीं करेगा, जब तक जांच की प्रक्रिया में कोई बड़ी सांविधानिक चूक न पाई जाए। यह मामला वर्ष 2004 का है, जब अकबरपुर डिपो में तैनात परिचालक जगदंबा प्रसाद पांडेय की बस का फैजाबाद–अकबरपुर मार्ग पर औचक निरीक्षण किया गया था।

चेकिंग के दौरान पाया गया कि बस में 59 यात्री सवार थे, जिनसे परिचालक ने पैसे तो ले लिए थे, लेकिन किसी भी यात्री को टिकट जारी नहीं किया था। इस गंभीर अनियमितता के सामने आने के बाद विभाग ने जांच बैठाते हुए 15 फरवरी 2005 को याचिकाकर्ता की सेवाएं समाप्त कर दी थीं। परिचालक ने बर्खास्तगी आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

याची अधिवक्ता ने दलील दी कि ड्यूटी के दौरान याची के पेट में अचानक तेज दर्द

होने लगा था, जिसके कारण वह टिकट वितरित नहीं कर सका। उसने यह भी दावा किया कि निरीक्षण बस के चलने के मात्र 1.5 से दो किलोमीटर के भीतर ही कर लिया गया था।

हालांकि, अनुशासनात्मक प्राधिकारी ने इन दलीलों को खारिज करते हुए पाया कि निरीक्षण स्थल की वास्तविक दूरी अकबरपुर बस स्टेशन से लगभग 12 किलोमीटर थी, जो टिकट काटने के लिए पर्याप्त समय था। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि यात्रियों को बिना टिकट यात्रा कराना न केवल अनुशासनहीनता है, बल्कि यह निगम के साथ विश्वासघात की श्रेणी में भी आता है। अंततः कोर्ट ने याचिकाकर्ता को किसी भी प्रकार की राहत देने से इन्कार करते हुए बर्खास्तगी के आदेश को बरकरार रखा।

यूपी बोर्ड में टॉपर्स की बाढ़, हाईस्कूल में 1367, इंटर में 1049 छात्र टॉप 10 में शामिल

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के परिणामों में इस वर्ष कई रिकॉर्ड टूट गए। हाईस्कूल में कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 90.42 रहा, जबकि इंटरमीडिएट में 80.38 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए।

माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के परिणामों में इस वर्ष कई रिकॉर्ड टूट गए। हाईस्कूल में कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 90.42 रहा, जबकि इंटरमीडिएट में 80.38 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए। हाईस्कूल में 11,72,862 छात्र और 11,79,319 छात्राएं पास हुईं। वहीं इंटरमीडिएट में 9,82,610 छात्र और 10,15,707 छात्राओं ने सफलता हासिल की। इस वर्ष सबसे चौंकाने वाला आंकड़ा टॉप–10 सूची का रहा। हाईस्कूल में 1367 छात्रों ने टॉप–10 में स्थान बनाकर नया रिकॉर्ड कायम किया, जबकि इंटरमीडिएट में 1049 छात्र टॉप–10 में शामिल हुए। इतनी बड़ी संख्या पहले कभी देखने को नहीं मिली।

तुलना करें तो वर्ष 2024 में दोनों कक्षाओं को मिलाकर टॉप–10 में कुल 567 छात्र थे, जबकि 2025 में यह संख्या घटकर महज 85 रह गई थी। इस बार अचानक हुई बढ़ोतरी ने सभी को चौंका दिया है। हाईस्कूल में 2024 में टॉप–10 में 159 छात्र थे, जो 2025 में घटकर 55 रह गए थे, लेकिन 2026 में यह संख्या बढ़कर 1367 हो गई। इसी तरह इंटरमीडिएट में 2024 में 408, 2025 में 30 और इस वर्ष 1049 छात्र टॉप–10 में शामिल हुए।

रैंक वार आंकड़ों पर नजर डालें तो हाईस्कूल में छठे, आठवें, नौवें और दसवें स्थान पर बड़ी संख्या में छात्रों ने समान अंक प्राप्त किए। इंटरमीडिएट में भी कई रैंकों पर छात्रों की संख्या बढ़ी, जिससे टॉप–10 सूची का दायरा असामान्य रूप से विस्तृत हो गया।

सचिव भगवती सिंह के अनुसार, नकलविहीन परीक्षा और पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया के चलते बड़ी संख्या में छात्रों ने उच्च अंक हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार मूल्यांकन पूरी सख्ती और निष्पक्षता के साथ किया गया, जिससे वास्तविक प्रतिभा सामने आई है।

इस परिणाम ने न सिर्फ छात्रों की मेहनत को नई पहचान दी है, बल्कि बोर्ड परीक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में भी एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। – भगवती सिंह, सचिव

पुलिस मुख्यालय के वित्त नियंत्रक के खिलाफ जमानती वारंट जारी, कोर्ट ने किया तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस मुख्यालय लखनऊ के वित्त नियंत्रक शिवपूजन सिंह के विरुद्ध जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने उन्हें 27 मई को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस मुख्यालय लखनऊ के वित्त नियंत्रक शिवपूजन सिंह के विरुद्ध जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने उन्हें 27 मई को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने यह आदेश दाताराम की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याची दाताराम मैनपुरी में पुलिस उप निरीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद विभाग ने यह तर्क देते हुए उनके सेवानिवृत्ति परिलाभों से 6,07,435 रुपये की कटौती कर ली कि उन्हें सेवाकाल के दौरान गलती से अधिक वेतन का भुगतान किया गया था।

यौन उत्पीड़न के आरोपी ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर बर्खास्त

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में छात्र के यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रोफेसर को महाविद्यालय प्रशासन ने बर्खास्त कर दिया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के नेतृत्व में विद्यार्थियों के कड़े आंदोलन के बाद प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में छात्र के यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रोफेसर को महाविद्यालय प्रशासन ने बर्खास्त कर दिया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के नेतृत्व में विद्यार्थियों के कड़े आंदोलन के बाद प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। साथ ही पीड़ित पर दबाव बनाने वाले सहयोगी शिक्षकों को भी कोर्स कोऑर्डिनेटर के पद से हटा दिया गया है। पीड़ित छात्र पिछले दो माह से न्याय के लिए संघर्ष कर रहा था और उसने पीएमओ व यूजीसी तक गुहार लगाई थी। अभाविप महानगर मंत्री प्रतीक मिश्र ने इसे सत्य की जीत बताते हुए कहा कि यह कार्रवाई शिक्षण संस्थानों में नैतिकता और छात्र सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। कार्यकर्ताओं के रात भर चले विरोध प्रदर्शन के दबाव में प्रशासन को यह निर्णय लेना पड़ा। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में पिछले तीन दिनों से जारी गतिरोध ने शुक्रवार को नया मोड़ ले लिया। जहां एक ओर प्रोफेसर पर लगे आरोपों को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहा था, वहीं अब बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं प्रोफेसर के समर्थन में उतर आए हैं। समर्थन कर रहे गुट ने प्रोफेसर पर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए इसे शिक्षक की छवि धूमिल करने की सोची–समझी साजिश करार दिया। कॉलेज परिसर में आंदोलन के तीसरे दिन शुक्रवार को स्पष्ट रूप से दो गुट नजर आए। समर्थक छात्रों ने मांग की कि शिक्षक को ससम्मान वापस लाया जाए।

प्रोफेसर पर कार्रवाई अनुशासन समिति का निर्णय है। हालांकि, छात्रों के विरोध और पुनर्विचार की मांग को स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मामले को सोमवार को पुनरू समिति के समक्ष रखा जाएगा, जहां छात्रों के पक्ष की समीक्षा के बाद ही कोई अंतिम फैसला होगा। फिलहाल, कॉलेज प्रशासन ने छात्रों से शांति बनाए रखने की अपील की है। – प्रो. आनंद शंकर सिंह, प्राचार्य, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज

झारखंड के साइबर ठग पर एक और एफआईआर दर्ज, कुर्की की तैयारी तेज

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के एक प्रोफेसर से 6.55 लाख रुपये की ठगी में फरार चल रहे आरोपी सुनील कुमार मंडल उर्फ दुबे मंडल पर अब शिवकुटी थाने में एक और एफआईआर दर्ज की गई है। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के एक प्रोफेसर से 6.55 लाख रुपये की ठगी में फरार चल रहे आरोपी सुनील कुमार मंडल उर्फ दुबे मंडल पर अब शिवकुटी थाने में एक और एफआईआर दर्ज की गई है। साइबर थाने के निरीक्षक आलमगीर की तहरीर पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ लगातार गैरहाजिर रहने और न्यायालय के

आदेशों की अवहेलना करने के चलते यह कार्रवाई की गई है। अब उसके खिलाफ कुर्की की प्रक्रिया भी शुरू किए जाने की तैयारी है। 20 अगस्त 2023 को एमएनएनआईटी के प्रोफेसर के व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया, जिसमें लखनऊ स्थित उनके मकान का बिजली बिल जमा न होने पर रात साढ़े आठ बजे बिजली काटने की चेतावनी दी गई। मैसेज भेजने वाले ने खुद को बिजली विभाग का अधिकारी बताते हुए एक मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया। जब उस नंबर पर संपर्क किया तो आरोपी ने उन्हें रस्ट रिमोट डेस्कटॉप एप डाउनलोड कराकर 11–11 रुपये के ट्रांजैक्शन कर विश्वास जीता और फिर धीरे–धीरे कुल 6.55 लाख रुपये की ठगी कर ली। जांच में झारखंड गिरिडीह स्थित ग्राम गपई निवासी सुनील का नाम सामने आया। आरोपी के खिलाफ पहले ही गैर–जमानती वारंट के तहत कार्रवाई की जा चुकी है। अब जल्द ही न्यायालय से अनुमति लेकर उसकी संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

रज्जू विवि के संस्कृत विभाग की शैक्षणिक यात्रा

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा से संस्कृत विभाग की ओर से रामायण से सन्दर्भित शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक अवलोकन यात्रा का आयोजन किया गया। शैक्षणिक यात्रा के अन्तर्गत रामायण से संबंधित अयोध्या के विभिन्न स्थलों, मंदिरों का अवलोकन कर विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान में वृद्धि की। भ्रमण

कार्यक्रम के अन्तर्गत राम की पैड़ी, नन्दीग्राम, भरत कुण्ड, महर्षि योगी रामायण विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़ी, कनक भवन, रामलला गर्भगृह परिसर इत्यादि का अवलोकन कर विद्यार्थियों ने रामायणकालीन शास्त्रीय सिद्धान्तों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। रज्जू भय्या विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा, डॉ पूजा सिंह के संयुक्त नेतृत्व में स्नातक, परास्नातक, पी.एच. डी. एवं डिप्लोमा इन ज्योतिष और डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड के सैकड़ों विद्यार्थियों ने शैक्षणिक, सांस्कृतिक यात्रा में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर भारतीय गौरव बोध से परिचित हुए। भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध आयामों की सामाजिक सांस्कृतिक उपादेयता पूर्ण एतिहासिकता से सभी विद्यार्थी रुबरू हुए।

सामाजिक संस्था द्वारा की गई आर्थिक सहायता

नैनी, प्रयागराज। प्रयागराज की सामाजिक संस्था पुण्योदय फाउंडेशन द्वारा शनिवार को एक जरूरतमंद की आर्थिक सहायता कर उसकी समस्या का समाधान किया गया। सिलाखाना

कांशीराम आवास के पास रहने वाले शरद गौतम के मातापिता की मृत्यु हो चुकी है। उन्हें अपने बहन की शादी के लिए आर्थिक मदद की आवश्यकता थी। उन्होंने पुण्योदय फाउंडेशन के सचिव सुनील शुक्ल से संपर्क किया जिसके बाद संस्था की उपाध्यक्ष कवयित्री डॉ वंदना शुक्ला व सचिव सुनील शुक्ल द्वारा शरद गौतम की बहन को विवाह के लिए इक्कीस हजार रुपए का चेक प्रदान कर उनका सहयोग किया गया।

द्वितीय चरण का औपचारिक कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। बी.ए. एल.एल.बी. (ऑनर्स) विधि विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज ने दिनांक 25/04/2026 को लेक्स एरीना सीएमपी इंट्रा मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2026 के द्वितीय चरण का औपचारिक आयोजन किया। यह प्रतियोगिता प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे

के दूरदर्शी मार्गदर्शन में प्रारंभ हुई, जिसमें द्वितीय चरण के दौरान विधि के उदीयमान छात्रों ने एक सिम्युलेटेड न्यायालय वातावरण में अपनी वकालत कौशल, विधिक शोध क्षमता एवं कोर्ट क्राफ्ट का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस चरण में 15 प्रतिभागियों ने याचिकाकर्ता एवं प्रतिवादी की ओर से जटिल विधिक प्रश्नों पर अपने तर्क प्रस्तुत किए। न्यायाधीशों के पैनल में संकाय सदस्य श्रीमती रेनू सिंह, श्री हिमांशु उपाध्याय एवं श्री पीयूष कुमारेंद्र शामिल रहे। प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा 27/04/2026 (सोमवार) को की जाएगी।

अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का उद्घाटन

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिनका उद्घाटन दिनांक 28.04.2026 को क्रमशः बनारस एवं अयोध्या धाम जं. से किया जाएगा। जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 02531 बनारस-हड़पसर अमृत भारत एक्सप्रेस (प्रतिदिन) उद्घाटन विशेष

गाड़ी सं. 02531 बनारस से दिनांक 28.04.2026 (मंगलवार) को प्रस्थान करेगी।
संरचना: स्लीपर श्रेणी-08, सामान्य-11

स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
बनारस	--	16:45
प्रयागराज जं.	19:05	19:15
फतेहपुर	21:15	21:20
गोविंदपुरी	22:50	22:55
उरई	00:25	00:30
वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	02:30	02:40
हड़पसर	00:55	--

गाड़ी सं. 02212 अयोध्या धाम जं.-लोकमान्य तिलक (ट.) अमृत भारत एक्सप्रेस उद्घाटन विशेष

गाड़ी सं. 02212 अयोध्या धाम जं. से दिनांक 28.04.2026 (मंगलवार) को प्रस्थान करेगी।
संरचना: स्लीपर श्रेणी-08, सामान्य-11

स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
अयोध्या धाम जं.	--	16:45
प्रयागराज जं.	20:50	21:00
मानिकपुर जं.	23:10	23:15
लोकमान्य तिलक (ट.)	21:05	--

नोट: उपरोक्त रेलगाड़ियों की नियमित सेवा से संबंधित सूचना बाद में दी जायेगी।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 916/26 FA

होमगार्ड भर्ती परीक्षा: डीएम-एसएसपी ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

17 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से हुई परीक्षा

मथुरा। उ०प्र० पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित होमगार्ड्स इनरोलमेंट-2025 परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न और नकल विहीन सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने सेठ बी.एन. पोद्दार इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, बायोमेट्रिक सत्यापन प्रक्रिया तथा सीसीटीवी कंट्रोल रूम का जायजा लिया।

कंट्रोल रूम से सभी कक्षों में चल रही परीक्षा की निगरानी की गई। डीएम ने बायोमेट्रिक स्टाफ को निर्देश दिए कि सत्यापन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही, बढ़ती गर्मी को देखते हुए अभ्यर्थियों के लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को परीक्षा केंद्र के आसपास सतर्क निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए, ताकि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और

शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सके।

जनपद के 17 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को दो पालियों में आयोजित की जा रही है। प्रत्येक पाली में 7104 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित हो रही है।

25 अप्रैल को प्रथम पाली में 5549 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 1555 अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में 5532 अभ्यर्थी उपस्थित और 1572 अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली में उपस्थिति 78.11 प्रतिशत तथा द्वितीय पाली में 77.87 प्रतिशत दर्ज की गई।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस:

पशु चिकित्सक किसानों की समृद्धि और राष्ट्र के स्वास्थ्य के वास्तविक रक्षक: किशन चौधरी

के.एम. विश्वविद्यालय में 'विश्व पशु चिकित्सा दिवस' पर संगोष्ठी आयोजित; विशेषज्ञों ने पशु स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा पर साझा किए विचार

मथुरा। के.एम. विश्वविद्यालय के एसएम कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल रिसर्च द्वारा 'विश्व पशु चिकित्सा दिवस' के अवसर पर विश्वविद्यालय के सभागार में एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस वर्ष का मुख्य विषय "पशु चिकित्सक: भोजन और स्वास्थ्य के रक्षक" रहा, जिसके माध्यम से समाज और राष्ट्र निर्माण में पशु चिकित्सकों के अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री किशन चौधरी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "पशु चिकित्सक न केवल बेजुबान जानवरों की सेवा करते हैं, बल्कि वे सुरक्षित भोजन और जन स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में भी अग्रणी भूमिका निभाते हैं। न बोलने वाले जीवों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है।" उन्होंने वेटरनरी कॉलेज को अपना सपना बताते हुए छात्रों को शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

संगोष्ठी के दौरान वेटरनरी क्लिनिक प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार ने चौंकाने वाले तथ्य साझा करते हुए बताया कि दुनिया भर में उभरने वाले

लगभग 75 प्रतिशत संक्रामक रोग पशु-जनित हैं। उन्होंने कहा कि रेबीज और ब्रूसेलोसिस जैसी बीमारियां समाज के लिए बड़ी चुनौती हैं, जिनसे निपटने में पशु चिकित्सक 'पहली पंक्ति के योद्धा' की तरह कार्य करते हैं। पशुओं की खाद्य सुरक्षा पर प्रकाश डालते हुए वेटरनरी डीन डॉ. अजय प्रकाश ने पशुओं से प्राप्त होने वाले खाद्य पदार्थों की शुद्धता और सुरक्षा पर जोर दिया। वहीं ग्रामीण उत्थान पर कुलसचिव डॉ. पूरन सिंह ने ग्रामीण स्तर तक बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुँचाने के लक्ष्य पर प्रकाश डाला। कुलपति डॉ. एनसी प्रजापति ने कॉलेज की सफलताओं की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कुलाधिपति ने वरिष्ठ पशु चिकित्सक एवं प्रिंसिपल डा. पितामबर सिंह के साथ वेटरनरी की चिकित्सकीय टीम को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. अजय प्रकाश तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. नेहा सिंह ने किया और समापन सलाहकार डॉ. एसपी गोस्वामी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर मेडिकल प्राचार्य डॉ. पीएन भिसे, डा. आरके गुप्ता, प्रिंसिपल डिप्लोमा डा. पितामबर सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर डा. नेहा सिंह, असिटेंट प्रोफेसर डा. अभिषेक कुमार, डा. अनुज शर्मा, डा. गिरीश कुमार गुप्ता के अलावा विवि के समस्त फैकल्टी के डीन, प्रोफेसर और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

वृंदावन में युवक पर हमले के मामले में 5 नामजद व 10 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी, पीड़ित ने लगाई सुरक्षा की गुहार

वृंदावन। थाना कोतवाली वृंदावन क्षेत्र के ओमेक्स सिटी में युवक के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस प्रकरण में 5 नामजद और 10 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित गोपाल सिंह की तहरीर के अनुसार, 16 अप्रैल की शाम करीब 7रू30 बजे वह अपने साथी अंकित तिवारी के साथ प्रॉपर्टी ऑफिस पर मौजूद थे। इसी दौरान सोहन सिंह उर्फ सोनू अपने साथियों संजू पंडित, दिलीप, सत्यप्रकाश, योगी एवं करीब 10 अज्ञात लोगों के साथ वहां पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए प्रॉपर्टी का काम बंद करने की धमकी दी। आरोप है कि विरोध करने पर सभी आरोपियों ने मिलकर गोपाल सिंह के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह बीच-बचाव कर स्थिति को शांत कराया। इसके बाद घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित का कहना है कि हमले में उसे चोटें आई हैं और आरोपी लगातार धमकी दे रहे हैं। उसने पुलिस से अपनी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

उत्तर मध्य रेलवे

सूचना

सूचना संख्या: एनसीआर-प्रयागराज/वाणिज्य/ईओआई/2026 — दिनांक: 22.04.2026

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI)

प्रयागराज रेलवे स्टेशन, सिविल लाइंस की ओर, नवाब यूसुफ रोड के निकट स्थित सर्कुलेटिंग एरिया में विभिन्न प्रकार की वाणिज्यिक गतिविधियों जैसे फूड पार्क, फन पार्क सह गेमिंग ज़ोन, टर्फ स्पोर्ट्स सुविधाएं तथा अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों की 10 वर्षों की अवधि के लिए स्थापना, संचालन एवं रखरखाव हेतु प्रस्तावित कार्य के लिए आमंत्रित की जाने वाली ई-नीलामी में भागीदारी के लिए इच्छुक फर्मों/एजेंसियों/प्रोप्राइटरशिप से रुचि की अभिव्यक्ति की सूचना (Expression of Interest) आमंत्रित की जाती है। ईओआई का विवरण निम्नानुसार है:-

प्रस्तावित EOI का विवरण

कार्य का क्षेत्र (Scope of Work): इच्छुक फर्म/एजेंसियां/स्वामित्वधारी प्रस्तावित क्षेत्र का उपयोग निम्नलिखित वाणिज्यिक गतिविधियों के विकास एवं संचालन के लिए कर सकते हैं, जैसे-

- फूड पार्क,
- फन पार्क सह गेमिंग ज़ोन,
- टर्फ स्पोर्ट्स सुविधाएं,
- आवेदक/लाइसेंसी द्वारा प्रस्तावित तथा रेलवे द्वारा अनुमोदित अन्य कोई वाणिज्यिक गतिविधियां।

निम्नलिखित शर्तों के अधीन- (क) लाइसेंसी आधुनिक मॉड्यूलर कियोस्क या अन्य उपयुक्त व्यवस्था के माध्यम से गतिविधियों का संचालन करेगा, जिसमें उचित योजना, डिज़ाइन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। ऐसे कियोस्क का डिज़ाइन एवं लेआउट आसपास के वातावरण के अनुरूप होना चाहिए, ताकि स्टेशन भवन एवं परिसंचरण क्षेत्र (circulating area) की सौंदर्यात्मकता बनी रहे। आवंटित स्थल पर किसी भी कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, प्रयागराज से पूर्वानुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। (ख) प्रस्तावित कार्य हेतु लाइसेंस 10 (दस) वर्षों की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा। (ग) जल एवं विद्युत कनेक्शन रेलवे द्वारा प्रचलित नियमों के अनुसार शुल्क के आधार पर उपलब्ध कराए जाएंगे। (घ) लाइसेंसी किसी भी परिस्थिति में आवंटित क्षेत्र में कोई स्थायी या पक्की (कंक्रीट) संरचना का निर्माण नहीं करेगा। (ङ) लाइसेंसी द्वारा निर्मित अस्थायी संरचना इस प्रकार की होनी चाहिए कि स्टेशन भवन का मुखभाग (facade) स्पष्ट रूप से दिखाई देता रहे। (च) लाइसेंसी आवंटित क्षेत्र के भीतर प्रवेश एवं निकास बिंदु/मार्ग (entry & exit points/pathways) रेलवे की आवागमन योजना के अनुरूप विकसित करेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी समय रेलवे यात्रियों या अन्य उपयोगकर्ताओं को कोई असुविधा न हो।

प्रस्तावित क्षेत्र का विवरण: प्रस्तावित स्थल प्रयागराज स्टेशन के स्टेशन भवन के सामने सिविल लाइंस की ओर, नवाब यूसुफ रोड के निकट स्थित है। यह शहर के केंद्र में एक प्रमुख स्थान पर स्थित है, जो चारों ओर से सड़कों- नवाब यूसुफ रोड, तृतीय मार्ग (3rd Marg), स्टेशन रोड तथा चतुर्थ मार्ग (4th Marg) - से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

वाणिज्यिक उपयोग हेतु प्रस्तावित एरिया का कुल क्षेत्रफल लगभग है: 20,000 वर्ग मीटर

प्रस्तावित कार्य की अवधि: 10 वर्ष

ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि और समय: 13.05.2026 को या उससे पहले 15:00 बजे तक

प्रस्ताव निम्नलिखित पते पर जमा किए जा सकते हैं: ईमेल: sdcm@ald.railnet.gov.in, हार्ड कॉपी 13.05.2026 को या उससे पहले 15:00 बजे तक दिये गए पते पर दिया जाना आवश्यक है- वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/कोचिंग/प्रयागराज, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब यूसुफ रोड, सिविल लाइंस, प्रयागराज - 211001

विस्तृत नोटिस और भागीदारी दिशानिर्देशों के लिए, कृपया आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं: www.ncr.indianrailways.gov.in. एवं किसी भी प्रश्न या स्पष्टीकरण हेतु इच्छुक आवेदक/फर्म/एजेंसी/स्वामी कार्य समय के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग), मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, प्रयागराज मंडल, उत्तर प्रदेश-211001 के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं या मुख्य वाणिज्य निरीक्षक से 7525001455 / 7525001449 पर संपर्क कर सकते हैं। ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक फर्म/एजेंसी/स्वामित्वधारी निर्धारित ईओआई दस्तावेजों एवं संलग्न प्रपत्रों के अनुसार आवश्यक समस्त जानकारी सहित विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

896/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

पाठ पढ़ाते फूल

सुन्दर पावन भाव रख, खिलते हैं जब फूल।
सबके मन को मोहते, उनके ही अनुकूल।
उनके ही अनुकूल, सुकूँ देते हैं दिल को।
हरि से कर संवाद, सुनाते हैं वह सबको।
सुन लो कहें प्रदीप, न टालो इसको हँसकर।
रक्खो विमल विचार, लगेगे सुन्दर-सुन्दर।।

हर रंगों के मायने, रख उनके अनुकूल।
ज्ञान और विज्ञान का, पाठ पढ़ाते फूल।
पाठ पढ़ाते फूल, बताते संयम रखना।
बैठ नदी के कूल,ध्यान से उनको पढ़ना।
सुन लो कहें प्रदीप, करो मत अपना-अपना।
समझ बूझ कर अर्थ, बताओ हर रंगों का।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या: CEN-2026-27-02 — दिनांक- 15.04.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी0) / निर्माण / उत्तर मध्य रेलवे / प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 19.05.2026 के समय 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

क्रम सं.1 | **निविदा नं. निविदा सूचना संख्या:** CEN-2026-27-02

कार्य का विवरण: उत्तर मध्य रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत रेलवे पुलों, आरओबी, आरयूबी और अन्य इस्पात निर्माण कार्यों आदि के लिए स्टील गर्डर्स का तृतीय-पक्ष निरीक्षण।

अनुमानित मूल्य(₹): ₹ 2.23 Cr. (approx), **बोली प्रतिभूति (₹):** ₹ 4,47,400/-, **कार्य समापन की अवधि:** 60 माह। **निविदा बंद करने की तिथि और समय:** 19.05.2026, 15:00 बजे। **निविदा खुलने की तिथि:** 19.05.2026, 15:30 बजे। **निविदा का प्रकार:** विशेष लिमिटेड (एकल पैकेट प्रणाली)।

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15.00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 19.05.2026 तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. बोली प्रतिभूमि या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड निविदा दस्तावेज में दिये गये अनुलग्नक-बीआईए के अनुसार होगा और बोल (बिड) वैधता अवधि से परे 90 दिनों की अवधि के लिये वैध होगा। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5. निविदा की राशि 10 करोड़ से अधिक होने पर संयुक्त उद्यम (जे.वी.)/ Consortiums/MOUs पर विचार किया जायेगा। 6. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 7. सभी निविदाओं हेतु निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 8. निविदा दस्तावेज में उल्लिखित योग्यता/मानदण्डों को पूरा करने के दावे के समर्थन में अपलोड किये गये दस्तावेजों/प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपिकी पृष्ठ को टेण्डरर फर्म के निविदाकार या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं प्रमाणित/डिजिटल हस्ताक्षरित किया जायेगा। स्वयं प्रमाणन में हस्ताक्षर, मोहर और तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) अंकित होनी चाहिये। केवल वे दस्तावेज जिन्हें निविदाकार द्वारा स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि निर्धारित पात्रता मानदण्डों की अर्हता प्राप्त करने के दावे का समर्थन करने वाले दस्तावेज को ही उनकी निविदा का मूल्यांकन करने के लिये विचार किया जायेगा। निविदाकार द्वारा दी गयी किसी भी गलत जानकारी के मामले में अनुबन्ध समाप्त कर दिया जायेगा एवं बोली प्रतिभूमि, परफारमेंस गारण्टी और सिक्योरिटी डिपाजिट जब्त कर ली जायेगी और भारतीय रेलवे में एजेंसी पर 5 (पाँच) वर्ष तक कोई भी व्यवसाय करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया जायेगा। 9. सरकारी अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी जी.एस.टी अधिनियम और सरकार/सम्बन्धित प्राधिकरण द्वारा समय समय पर जारी किये गये नियम लागू होंगे। 10. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11. निविदा आनलाइन दिनांक: 19.05.2026 को समय 15.00 बजे तक सबमिट किया जा सकता हैं तथा निविदा 15.30 बजे उसी दिन खोली जायेगी। 887/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांक- ई.विविध/रि-इंगेजमेंट/ईजी-II/2026 — दिनांक- 23.04.2026

अधिसूचना

सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों को प्रयागराज मण्डल में मासिक पारिश्रमिक आधार पर पुनर्नियोजित किये जाने के संबंध में।

(1) रेलवे बोर्ड के पत्र सं. E(NG)II/2024/RC-4/9 dated 15.10.2024 (RBE No.96/2024), dated 31.12.2024 (RBE No. 115/2024) & dated 20.06.2025 (RBE No. 56/2025) एवं मुख्यालय प्रयागराज के पत्र सं. 797- E/HQ/NG/Re-engagement /2019 dated 23.01.2020 व पत्र सं. NCR HQOPERS(MISC)/16/2026-0/0 Dy.CPO/HQ/NCR दिनांक 07.04.2026 के अनुपालन में सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों को मासिक पारिश्रमिक आधार पर प्रयागराज मण्डल पर विभिन्न विभागों में निम्नांकित पदों पर पुनर्नियोजन किया जाना है। (2) सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों से निम्नलिखित शर्तों के अन्तर्गत निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किये जाते है। इच्छुक सेवानिवृत्त कर्मचारी अपना आवेदन अन्तिम तिथि दिनांक 05.06.2026 तक या उससे पूर्व ईजी-II अनुभाग में, आर. एण्ड डी. अनुभाग के माध्यम से मण्डल रेल प्रबंधक (कार्मिक), प्रयागराज को भेज सकते है। विभिन्न विभागों में रिक्त पदों का विवरण निम्न प्रकार है:-

Re-engagement vacancy position for Department in Prayagraj Division

S.N.	Dept.	Category/Post	G.P./Level	Vacancy
1.	Optg Deptt.	Station Master	4200/L-6	52
		GTM	2800/L-5	158
		Shunting Master I	4200/L-6	30
		Shunting Master II	2400/L-4	19
		Pointsman "A"	1900/L-2	340
			Total	599
2.	S&T Deptt.	SSE/Signal	4600/L-7	06
		Tech.I/Signal	2800/L-5	10
		Tech. II/Signal	2400/L-4	10
		Asst./S&T	1800/L-1	60
			Total	86
3.	Mechanical Dept..	SSE/Mech.	4600/L-7	07
		JE/Mech.	4200/L-6	34
		Technician/Mech.	1900/L-2	04
			2400/L-4	
			2800/L-5	
			4200/L-6	
		Helper/Mech.	1800/L-1	60
			Total	105
4.	Engg. Deptt.	SSE/P.Way	4600/L-7	15
		JE/P.Way	4200/L-6	15
		SSE/Works	4600/L-7	5
		JE Works	4200/L-6	10
		Track maintainer	1800/L-1	250
		Asstt. Works	1800/L-1	55
			Total	350
5.	Electrical TRD Deptt.	SSE/TRD	4600/L-7	05
		Sr. Tech./TRD	4200/L-6	01
		Tech-I/TRD	2800/L-5	
		Tech-II/TRD	2400/L-4	
		TECH-III/TRD	1900/L-2	
		Asstt. TRD	1800/L-1	55
			Total	61
6.	Electrical Coaching Deptt.	Helper	1800/L-1	22
			Total	22
7.	Electrical General Deptt.	Sr. Tech/General	2800/L-5	08
		Technicain-I/General	2800/L-5	
		Asstt./General	1800/L-1	19
			Total	27
			Grand Total	1250

पुनर्नियोजन हेतु जारी अधिसूचना पदों का विवरण एवं निर्धारित शर्तें उत्तर मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर देखी जा सकती है।

906/26 (MG) | North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

जीवनशैली के रोग

निस्संदेह, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त–त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान–पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे–धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं। हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार–प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं। विडंबना यह है कि हमने परंपरागत भारतीय खाद्य पदार्थों की अनदेखी करके पश्चिमी व चीनी खाद्य विकल्पों को चुनना शुरू कर दिया है। जो हमारी जलवायु व शारीरिक प्रकृति के अनुरूप नहीं हैं। जंक फूड में रासायनिक पदार्थ नुकसानदायक हैं वहीं तले–भुने खाने ने मोटापे को बढ़ाया है। फिर हम शारीरिक श्रम करने से बचते हैं और आरामतलबी का जीवन जीते हैं। जिसके फलस्वरूप बढ़ा मोटापा कई रोगों का वाहक बन जाता है। देर रात तक मोबाइल व इंटरनेट पर सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से हमारी नींद में खलल पड़ा है। नींद पूरी न होने से तनाव व अवसाद बढ़ा है। हमारा देर से भोजन करना, देर से सोना और सुबह देर से उठना भी रोगों का कारक बना है। हमने जबसे खाने में पारंपरिक पौष्टिकता के बजाय स्वाद को प्राथमिकता देनी शुरू की है, तभी से शरीर में जरूरी विटामिनों की कमी बढ़ी है। प्रदूषित खान–पान की भी इस संकट में भूमिका है। वहीं सहज–सरल व्यवहार हमारे स्वस्थ होने की गारंटी है।

भारत के क्षेत्रीय दिग्गज कर रहे 'उत्तर के शासकों' की घेराबंदी का सामना

टी एन अशोक

भारत का चुनावी नक्शा कोई एक जैसी चीज नहीं है। यह अलग–अलग, और अक्सर अपनी बात पर अड़े रहने वाले राजनीतिक अंदाजों का एक संग्रह है। जैसे–जैसे तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के आखिरी घंटे चल रहे हैं और पश्चिम बंगाल एक बड़ी दांव वाली, दो चरणों वाली लंबी चुनावी दौड़ के अन्तिम चरण की ओर बढ़ रहा है, उनके पीछे का संदेश एक ही है जिस पर ध्यान देना बहुत जरूरी भी है। संदेश है कि वे पारंपरिक क्षेत्रीय गढ़, जो लंबे समय से भारतीय संघवाद की मजबूत दीवारें बने हुए थे, अब धीरे–धीरे और सोची–समझी रणनीति के तहत जोरदार घेराबंदी का सामना कर रहे हैं। दशकों तक, भारतीय लोकतंत्र की कहानी राज्यों की भाषाओं में लिखी जाती रही। चेन्नई में, यह द्रविड़ मॉडल था, जिसकी पहचान करिश्मा और अस्मिता से होती थी। कोलकाता में, यह कैडर मशीन थी, जिसकी पहचान वैचारिक वर्चस्व से होती थी। लेकिन 2026 की गर्मियों में, ये क्षेत्रीय किले यह महसूस कर रहे हैं कि आरामदेह और बिना किसी चुनौती वाले वर्चस्व का दौर अब खत्म होने वाला है। इसकी जगह अब एक राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक मशीन के दखल के खिलाफ एक सीधी और जोरदार लड़ाई ने ले ली है। चेन्नई के उमस भरे और हलचल भरे गलियारों में, एम. के. स्टालिन न सिर्फअपने विरोधियों से, बल्कि अतीत के साये से भी लड़ रहे हैं। भगवान–राजा का दौरकृ यानी एम. जी. रामचंद्रन या जयललिता जैसे फिल्मी अंदाज वाले, आम इंसान से कहीं बढ़कर माने जाने वाले मसीहाओं का दौर अब खत्म हो चुका है। उन्होंने अपने पीछे एक ऐसा खालीपन छोड़ दिया है जिसे कोई भी भाषणबाजी नहीं भर सकती। स्टालिन ने राजनीतिक शायरी की जगह प्रशासनिक गद्य को अपनाने की कोशिश की है। उनकी सरकार गठबंधन बनाने की एक बहुत ही सधी हुई और पेंचीदा बुनावट वाली हैरू जिसमें किसानों के संगठनों, अलग–अलग समुदायों और वामपंथी झुकाव वाले छोटे–छोटे गुटों के अलग–अलग हितों को एक साथ पिरोया गया है। यह एक जबरदस्त और आधुनिक रणनीति है, लेकिन यह नाजुक भी है। भाजपा, जो अन्नाद्रमुक के कंधे पर सवार है, ने इस नाजुकता को पहचान लिया है। वे सीधे–सीधे जीत हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैंकृ जो कि द्रविड़ धरती पर किसी राष्ट्रीय पार्टी के लिए अभी भी पहुंच से बाहर की बात हैकृ लेकिन वे बड़ी होशियारी से द्रमुक के जीत के अंतर को कमजोर कर रहे हैं। अनुमानों से पता चलता है कि द्रमुक, जिसके पास 2021 में 133 सीटें थीं, फिसल कर बहुत कम यानी 115–120 सीटों पर आ सकती है।

स्टालिन की शासन शैली, जो नई दिल्ली के खिलाफ श्टकराव वाले संघवादश पर आधारित है, उनके शासन को राष्ट्रीय वर्चस्व का एकमात्र विकल्प बनाने का एक सोचा–समझा प्रयास है। लेकिन अगर सीटें कम होती हैं, तो द्रमुक का स्थिर बहुमत एक त्रिशंकु विधानसभा की उथल–पुथल में बदल सकता है। यदि ऐसा होता है तो इससे यह साबित हो जाएगा कि एक सुव्यवस्थित गठबंधन भी उस राष्ट्रीय पार्टी के लगातार दबाव का मुकाबला नहीं कर सकता, जो हर एक निर्वाचन क्षेत्र के लिए, इंच–दर–इंच लड़ने को तैयार हो। अगर तमिलनाडु एक शतरंज का खेल है, तो पश्चिम बंगाल एक सड़क की लड़ाई है। इस राज्य का राजनीतिक विकास बहुत तेज और क्रूर रहा हैरू वामपंथ का तीन दशकों का वर्चस्व 2011 में खत्म हो गया, और उसके बाद पैदा हुए खालीपन में, दो विरोधी ताकतों के बीच एक निर्णायक युद्ध छिड़ गया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अभी भी मुख्य ताकत बनी हुई है, लेकिन भाजपा का बढ़ता ग्राफ ही इस चुनाव की असली कहानी है। खुद को एकमात्र विपक्षी दल के रूप में पेश करके, भाजपा ने इस मुकाबले को और भी अहम बना दिया है, और इसे केंद्र बनाम राज्य की सत्ता के बीच एक जनमत संग्रह में बदल दिया है। गणित का हिसाब–किताब बहुत ही कड़ा है। भाजपा सौ का आंकड़ा पार करने के लिए जोरदार कोशिश कर रही हैकृ ताकि उसकी सीटों की संख्या तीन अंकों (90–110) तक पहुंच जाए। टीएमसी के लिए चुनौती अपनी मौजूदा स्थिति को बनाए रखने का है। हालांकि 213 सीटों से घटकर 185 सीटें होनाकृया सबसे बुरे हालात में 155 सीटें भी रह जानाकृममता बनर्जी को साधारण बहुमत तो दिला ही देगा, लेकिन यह एक बहुत बड़े बदलाव का संकेत होगा। यह टीएमसी के पूर्ण वर्चस्व के अंत और भाजपा के एक स्थायी, मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित होने का संकेत होगाय उस राज्य में, जहां एक दशक पहले तक भाजपा के लिए सांस्कृतिक रूप से पैठ बनाना लगभग नामुमकिन माना जाता था। हम यहां भारतीय संघ के बारे में दो बिल्कुल अलग–अलग दृष्टिकोणों के टकराव को देख रहे हैं। एक तरफ, क्षेत्रीय सत्ताधारी दल बहुलवादी प्रतिरोध का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां राज्य की पहचान ही राजनीति का मुख्य आधार होती है। दूसरी तरफ, भाजपा केंद्रीकृत एकीकरण का प्रतिनिधित्व करती है, जो इन क्षेत्रीय गढ़ों को शासन के एक ही, राष्ट्रीय दृष्टिकोण को लागू करने में अंतिम बाधाओं के रूप में देखती है। राष्ट्रीय दलकृकांग्रेस और भाजपाकृअपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए अलग–अलग रास्ते अपना रहे हैं। तमिलनाडु में कांग्रेस, जो एक छोटी सहयोगी पार्टी है, अभी भी क्षेत्रीय ताकतों के सहारे ही आगे बढ़ रही है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा ने छोटी सहयोगी की भूमिका को त्याग दिया है और इसके बजाय राष्ट्रीय राजनीति में एक आक्रामक अगुवा की भूमिका निभाने का फैसला किया है। अप्रैल 2026 का असली जनादेश केवल सीटों की संख्या में ही नहीं, बल्कि इन राज्यों की ढांचागत मजबूती में देखने को मिलेगा। क्या कोई क्षेत्रीय पार्टी केवल एक सक्षम सरकार चलाकर ही टिक सकती है, या उसे एक दिग्गज बनने के करिश्मे की भी जरूरत होती है? तमिलनाडु में, इस सवाल का जवाब फिलहाल विधानसभा की सीटों पर मिल रहे बेहद करीबी चुनावी नतीजों में लिखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में, इसकी परीक्षा केंद्रीय एजेंसियों के दबाव और मतदाता सूची से जुड़े विवादों वाले एक बेहद ही अस्थिर और तनावपूर्ण माहौल में हो रही है। चाहे ये गढ़ अपनी मजबूती बनाए रखें या फिर ढह जाएं, भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक स्थायी बदलाव आ रहा हैरू क्षेत्रीय वर्चस्व का दौर अब खत्म हो रहा है और उसकी जगह लगातार चलने वाले, राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक संघर्ष का दौर शुरू हो रहा है।

जैसे–जैसे ये राज्य चुनावों की ओर बढ़ रहे हैं, इन चुनावों के नतीजों का असर नई दिल्ली और राज्यों की राजधानियों के बीच सत्ता के संघीय संतुलन की अनिश्चितता के रूप में सामने आता दिख रहा है।

आने को है आर्थिक दिक्कतों का दौर

अरविन्द मोहन

जी हां, 29 अप्रैल तक भारत सरकार और उसके कर्ता–धर्ता बंगाल चुनाव में व्यस्त हैं। होने को तो पांच राज्यों के चुनाव अभी अपनी प्रक्रिया के बीच ही हैं और 29 के पहले तमिलनाडु का मतदान भी पूरा हो जाएगा लेकिन बंगाल चुनाव का दूसरा और अंतिम फेज 29 को पूरा होगा और उसके बाद ही प्रधानमंत्री समेत सरकार के सभी प्रमुख लोगों का ध्यान उधर से हटेगा। सबके रिजल्ट 4 मई को आने हैं और अगर नरेंद्र मोदी समेत सारे प्रमुख लोग चुनाव में इतने जुनून से जुटे हैं तो रिजल्ट का महत्व सहज समझा जा सकता है। लेकिन पांच राज्यों की विधान सभाओं के परिणाम और देश की राजनीति पर उसका प्रभाव सामने आए इससे पहले ही 29 रात से परिणाम आने की भविष्यवाणी करना मुश्किल नहीं है। सबसे पहला नंबर तो पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों का होना चाहिए। और खैरियत यही है कि ईरान अमेरिकाध्इजरायल युद्ध की आंच मद्धिम पड़ी है और संभव लगता है कि 29 तक कोई समझौता ही हो जाए। माहौल अभी भी बदला है और पेट्रोलियम के दाम समेत शेयर बाजार और सर्राफा बाजार की तेजी कुछ मद्धिम पड़ी भी है। लेकिन इससे हम आप नई मूल्य वृद्धि से बच नहीं सकते। तय मानिए कि यह बदलाव सिर्फ पेट्रोलियम पदार्थों तक सीमित नहीं रहेगा। कई अन्य चीजों और सेवाओं के दाम भी सरकार बढ़ा सकती है। निजी क्षेत्र तो उसका इंतजार भी नहीं करता, वह अभी ही अपने उत्पादों और सेवाओं को महंगा करने लगा है। और जब सरकार के फैसलों से उसके ऊपर बोझ बढ़ेगा तो वह एक के बदले तीन पैसे की वसूली अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं से शुरू कर देगा। सिर्फ सेवा देने वाले मजदूरों की मजदूरी बढ़ाने का दौर शुरू हो गया है और दस–बारह साल से रुका पड़ा यह काम आंदोलनों के सहारे चला है और बढ़ता गया है पर मजदूरों में बेचैनी कीमतों में सामान्य वृद्धि और गैस की किल्लत और कालाबाजारी से ज्यादा बढ़ी। काफी सारे प्रवासी मजदूर तो इस चक्कर में अपने देस लौट गए। और उनके ही नहीं आम आदमी के जीवन में ईंधन के महत्व को समझकर सरकारों के स्तर पर सक्रिय हुई हैं। पेट्रोल और गैस के दाम न बढ़ाना भी उसी तरह की सक्रियता है और इसके पीछे आम लोगों को राहत देना कितना बड़ा कारण है और पांच राज्यों की विधान सभाओं का चुनाव कितना बड़ा कारण यह समझना मुश्किल नहीं है। मोदीजी की राजनीति के लिहाज से चुनाव का मतलब सबसे ऊपर है और इसी आधार पर चुनाव बीतते ही कीमतों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। यह संकेत भले मोदी जी की राजनीति को जानने वाले समझ जाएं, पर अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से जो सूचनाएं आने लगी हैं वे बताती हैं कि चुनावी शोर की चीजों को नजरों से ओझल कर दे लेकिन आर्थिक सच्चाई पर परदा नहीं डाला जा सकता। सबसे पहले तो यही गणना बिगड़ गई है कि भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था की जगह छठे नंबर पर खिसक गया है। अभी तक प्रधानमंत्री तीसरी अर्थव्यवस्था बनने बनाने की बातें खूब कहा करते थे, अब उनकी तरफ से कोई बयान इस बारे में नहीं आया है। विकास दर दो फीसदी कम हो जाने का अनुमान लगभग सारे प्रमुख अर्थशास्त्री कर रहे हैं। फिर यह सूचना भी आने लगी है कि बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है और यह खाड़ी युद्ध का असर है। यह सूचना भी आई है कि खाड़ी के देशों में भारतीय उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में आई गिरावट से उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां परेशान हैं। खाड़ी देशों में एक करोड़ के आसपास हिन्दुस्तानी कामगार रहते हैं और जाहिर तौर पर अच्छी कमाई वाले ये लोग अपनी पसंद की भारतीय चीजें भी बड़े पैमाने पर खरीदते हैं। देसी मांग भी गिरी है। और कुछ चीजों की मांग तो ऐसे गिरी है कि सारा बाजार भौचक्का है। इस अक्षय तृतीया को सोने की खरीद का रिकार्ड ऐसा ही है जबकि सोना और चांदी दोनों के भाव इधर काफी कम हुए थे। मामला फिर उपभोक्ता वस्तुओं की मांग घटने का नहीं है। उसकी कमी महंगाई के चलते भी होगी और संयोग से खाड़ी युद्ध छिड़ने के पहले हमने उपभोक्ता और थोक मूल्य सूचकांक में जो बदलाव किए वे अब नित नए रिकार्ड की सूचना दे रहे हैं। इससे ज्यादा चिंता कोर सेक्टर में उत्पादन के गिरावट की है और खास तौर से रासायनिक खादों के उत्पादन और खपत में गिरावट का। यह गिरावट नए रिकार्ड बना रही है पर उससे भी ज्यादा भविष्य के लिए चिंता पैदा कर रही है। कोरोना वाली मंदी में भी कृषि ही हमारे लिए सबसे बड़ी सहायक बनी थी। लगता है इस बार वह भी साथ छोड़ने जा रही है और यह लेखक जिस नोएडा–गाजियाबाद के इलाके में बैठकर यह लेख लिख रहा है वहां की और आसपास के पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सारी औद्योगिक गतिविधियां गैस की तंगी से परेशान है। काफी बंद पड़ी हैं। ऐसा अन्य औद्योगिक इलाकों की रिपोर्ट भी है और इससे भी बढ़कर हुआ है कि इनके निर्यात का आर्डर आना बंद हो गया है।

सीमा वर्णिका की कलम से

नई राह

अरे! वाह यह तो बहुत सुन्दर हैं तुमने तो दिल खुश कर दिया आलोक, अजीब सा दिखने वाला आदमी बोला।

तुम तो मालामाल हो गए समझ लो अब तो, सोने की चिड़िया कहाँ से ले आए, साथ आए दूसरे आदमी ने हँसते हुए कहा।

कुछ तो गड़बड़ है, आलोक ने तो कहा था कि उसके दोस्त आ रहें हैं, मालनी मन ही मन सोच रही थी।

आलोक के इशारे पर वह दूसरे कमरे में आ गयी।

आलोक और आगन्तुकों के बीच सौदेबाजी चल रही थी। उसे सारा माजरा समझ आ गया। वह चक्रव्यूह में फँस चुकी है।

माता पिता के विरोध के बावजूद आलोक के साथ भागी थी आज पछतावा हो रहा था।

जल्दी से उसने कुछ पैसे लिए और पीछे के दरवाजे से भाग निकली।

वह किधर जाए यह समाज तो स्वीकारने से रहा।

एक पत्थर पर अपनी चुनरी लपेट कर पास में बह रही नर्मदा नदी में फेंक दिया और रेत में अपनी चप्पलें छोड़कर नाव में नदी पार चल दी नई राह की खोज में। तट पर लोग चर्चा कर रहे थे किसी लड़की ने कूद कर जान दे दी।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

नरेन्द्र मोदी पहले हैं या देश?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जब भी फोन पर बात होती है, फौरन उसकी सुर्खियां बन जाती हैं। लेकिन जब ट्रंप भारत के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, भला–बुरा कहते हैं तो सरकार और मीडिया की तरफ से एकदम सन्नाटा छा जाता है। पाठक जानते हैं कि

कई मोदी समर्थक पत्रकार तो मोदी–ट्रंप चर्चा पर बिना विस्तृत विवरण जाने ही लहालोट होने लगते हैं, क्योंकि उन्हें इन दोनों नेताओं की दोस्ती साबित करना है। खुद प्रधानमंत्री मोदी भी देश को फौरन इत्तला करते हैं कि मेरे प्रिय मित्र डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात हुई। अभी पिछले हफ्ते ही दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट लंबी वार्ता फोन पर हुई। जिसके बारे में बताया गया कि प.एशिया में चल रहे तनाव, होर्मुज बंद होने का असर जैसे मुद्दों पर दोनों ने चर्चा की, आपसी साझेदारी को बढ़ाने पर जोर दिया। इसके बाद ट्रंप ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी मेरे बहुत प्यारे मित्र हैं, और हम सब उनसे बहुत प्यार करते हैं। बस इतने में ही मोदी समर्थक गदगद हैं कि अमेरिका का राष्ट्रपति हमारे प्रधानमंत्री को पसंद करता है। लेकिन क्या यही अमेरिकी राष्ट्रपति भारत को भी पसंद करता है, यह एक बड़ा सवाल है। अक्सर विपक्ष की देशभक्ति की परीक्षा लेने वाले, उनके देशप्रेम को चुनौती देने वाले पत्रकारों और भाजपा के लोगों के लिए भी अब एक परीक्षा का वक्त है कि उनके लिए नरेन्द्र मोदी बड़े हैं या देश बड़ा है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक विवादास्पद पोस्ट को दोबारा पोस्ट किया है, जिसमें भारत, चीन और अन्य देशों को श्हेलहोल्य (नर्क जैसा देश) करार दिया गया है। इस पोस्ट में अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) की नीति पर तीखा हमला किया गया है। अमेरिकी रेडियो होस्ट माइकल सैवेज ने मूल रूप से यह पोस्ट लिखी है। जिससे सहमति जताते हुए ट्रंप रीपोस्ट करते रहते हैं। इस में जन्मसिद्ध नागरिकता का मुद्दा अदालतों के बजाय आम नागरिकों द्वारा तय किए जाने की वकालत की गई है। इसमें अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन और अन्य कानूनी संगठनों की आलोचना करते हुए कहा गया है कि ये संस्थाएं अवैध आप्रवासन को बढ़ावा देने वाली नीतियों को प्रभावित करती हैं, जिससे सार्वजनिक संसाधनों पर बोझ बढ़ता है। पोस्ट में कहा गया है कि जन्मसिद्ध नागरिकता की वजह से अप्रवासी अमेरिका में आसानी से पैर जमाते हैं। इसके अनुसार, श्यहां एक बच्चे का जन्म होते ही वह तुरंत नागरिक बन जाता है और फिर वह अपने पूरे परिवार को चीन, भारत या दुनिया के किसी दूसरे नर्क जैसे देश से यहां बुला लेता है। ट्रंप ने इस पोस्ट को शेयर करते हुए जन्मसिद्ध नागरिकता के खिलाफ अपने पुराने रुख को दोहराया है। दूसरा कार्यकाल संभालते ही ट्रंप ने अवैध रूप से रह रहे प्रवासी लोगों को बाहर निकालने का काम किस तरह से किया था, यह भारत ने देखा है। कम से कम तीन बार अमेरिका के सैन्य जहाजों में हथकड़ियों और बेड़ियों के साथ भारतीयों को वापस भेजा गया था। तब भी विपक्ष ने देश की संप्रभुता की रक्षा का सवाल उठाया था कि अमेरिकी सैन्य विमान हमारी धरती पर कैसे उतरे, लेकिन सरकार ने कुछ नहीं कहा। जब विपक्ष ने भारतीयों के सम्मान का मुद्दा उठाया तो विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में कहा था कि यह उनकी नीति है कि वे अवैध प्रवासियों को बाहर कर रहे हैं। यानी हर तरह से ट्रंप का बचाव करने की कसम मोदी सरकार ने खा ली है। लेकिन फिर देश का बचाव कौन करेगा, यह सवाल अब और गंभीरता से उठ रहा है। क्योंकि इस बार भारत को सीधे नर्क जैसी जगह कहा गया है। ट्रंप ने अगर ऐसी कोई पोस्ट मोदी की तारीफ में लिखी होती तो अब तक उस पर ढिंढोरा पीटा जा चुका होता, लेकिन देश को नर्क कहा जा रहा है और मोदी सरकार ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक एक शब्द भी विरोधस्वरूप दर्ज नहीं कराया है। वैसे तो खुद नरेन्द्र मोदी भी कह चुके हैं कि 2014 से पहले भारतीय सोचते थे कि पता नहीं पिछले जन्म का कौन सा पाप किया है, जो इस देश में जन्म लिया।

अभिरामी कौन हैं, 35 साल की हसीना क्यों हो रही ट्रेंड?

अभिरामी वेंकटाचलम अचानक इंटरनेट पर ट्रेंड हो रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके एक पोस्घ्ट ने बहस छेड़ दी है। तमिल फिल्घ्मों और टीवी की एक्घ्ट्रेस अभघ्रिामी ने अपने सब्घ्सक्राइबर्स को फटकार लगाई है। जानिए कौन हैं अभघ्रिामी, क्घ्या है ये मामला, सबकुछ। इंटरनेट में दुनिया में गुरुवार सुबह से ही अभिरामी वेंकटाचलम ट्रेंड हो रही हैं। 35 साल की इस तमिल एक्घ्ट्रेस ने सोशल मीडिया यूजर्स को कड़ी फटकार लगाई है। अभघ्रिामी उन सेलेब्घ्स में से हैं, जघ्न्घ्होंने सब्सक्रिप्शन मॉडल अपनाया है। अब उनकी यह भड़ास अपने सब्सक्राइबर्स की गलत और घटिया मांगों को लेकर निकली है। एक्घ्ट्रेस ने दो टूक शब्घ्दों में कहा है कि उन्घ्होंने यह सब्घ्सक्रिप्घ्शन अपनी क्रिएटिविटी और आर्टिस्घ्टघ्कि तस्घ्वीरें शेयर करने के लिए शुरू की थी। उन्होंने पहले यह तरीका कभी नहीं आजमाया था। लेकिन वह दंग हैं कि उनके सब्सक्राइबर्स उनसे ओछी तस्घ्वीरों की डिमांड कर रहे हैं। यूजर्स की घटिया हरकतों ने नाराज एक्घ्ट्रेस ने अब कहा है कि यदि कोई उनसे न्घ्यूडिटी की उम्घ्मीद लगाकर आया है तो ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। फिल्घ्म छव्ज। की एक्घ्ट्रेस ने कहा कि ऐसे लोग उन्घ्हें अ भ ा ी अनसब्सक्राइब कर सकते हैं। अभघ्रिामी के इस पोस्घ्ट ने अब सोशल मीडिया पर नई बहस शुरू कर दी है। यदि आप ए क इंस्घ्टाग्राम यूजर हैं, तो आपने देखा होगा कि कई प्रोफाइल्घ्स खासकर इंफ्लुएंसर्स अ ा ै र सेलेब्घ्स ने सब्सक्रिप्घ्शन म ॉ ड ल श ा ु रू किया ह ै , जहां एक रकम चुकाने के बाद एक्घ्सक्घ्लूसिव कंटेंट देखने को मिलता है। जहां तक अभघ्रिामी की बात है, तो उन्घ्होंने भी 399 रुपये प्रति महीने के शुल्घ्क पर सब्घ्सक्रिप्घ्शन शुरू किया है। खबर लिखे जाने तक उनके 700 से अधघ्कि सब्घ्सक्राइर्ब्घ्स हैं। अभघ्रिामी की दो टूक– यहां कपड़े उतार खड़ी रहने नहीं आई तमिल फिल्घ्मों की मशहूर एक्घ्ट्रेस अभिरामी, शबिग बॉस तमिलश का भी हिस्घ्सा रही हैं। उन्घ्होंने अपने पोस्घ्ट की शुरुआत उन सब्घ्सक्राइबर्स का शुक्रिया अदा करते हुए किया है, जो उनकी तस्वीरों और क्रिएटिविटी को सपोर्ट कर रहे हैं। एक्घ्ट्रेस ने लिखा है, श्शमेरे उन सभी प्यारे सब्घ्सक्राइबर्स को दिल से धन्यवाद, जो मुझसे बहुत प्यार करते हैं। प्यारे सब्सक्राइबर्स, मैंने यह पेज अपनी कुछ क्रिएटिव तस्वीरें शेयर करने के लिए शुरू किया है। इसे मैंने पहले कभी आजमाया नहीं था और न ही कहीं और पोस्ट किया था। लेकिन अगर कोई यह उम्मीद करता है कि उसने सब्सक्रिप्शन लिया है, और इसलिए मैं यहां उसके लिए कपड़े उताकर नंगी खड़ी रहूंगी, तो आप अभी अनसब्सक्राइब करके जा सकते हैं।श श्यह कोई पोर्न साइट नहीं है।श सब्घ्सक्राइबर्स की ओछी डिमांड पर भड़की एक्घ्ट्रेस ने आगे लिखा है, श्कोई मुझे यह न बताए कि मुझे क्या पोस्ट करना है। मैं यहां अपनी क्रिएटिविटी शेयर करने आई हूं। यहां सिर्फ उनका स्वागत है जो इसे इसके कलात्मक रूप में देखते हैं। और एक बात और, यह कोई पोर्न साइट नहीं है।श कौन हैं अभघ्रिामी वेंकटाचलम अभघ्रिामी वेंकटाचलम मूल रूप से तमिल फघ्ल्मि और टेलीविजन इंडस्ट्री की एक्घ्ट्रेस हैं। उन्घ्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। चेन्घ्नई में 9 मार्च 1991 को पैदा हुईं अभघ्रिामी ने 2017 में शमिस तमिलनाडुश का खघ्तिाब जीता था। इसके बाद 2018 में रिलीज विजय देवरकोंडा की फिल्घ्म श्छवजंश से उन्घ्होंने बड़े पर्दे पर डेब्घ्यू किया। वह थाला अजित कुमार भी फघ्ल्मि श्छमतावदकं च्तअंपश में काम कर चुकी हैं। साल 2022 में वह आर माधवन की फिल्घ्म श्रॉकेट्रीश में भी नजर आई थीं। वह आठ साल के करियर में अब तक 10 फिल्घ्में कर चुकी हैं। टीवी पर शबिग बॉसश से मिली पॉपुलैरिटी अभघ्रिामी की पिछली रिलीज व्ज्ज पर श्अनंताश है। वह ठपहह ठवे ज्ंउपस के स्पिन–ऑफ वर्जन ठपहह ठवे न्सजपउंजम के पहले सीजन की कंटेस्घ्टेंट भी थीं। वह इसकी 5वीं रनर–अप रहीं। इसके अलावा वह तमिल रियलिटी शो श्रैजंत ॅतेश की होस्ट रह चुकी हैं। शमिस तमिलनाडुश बनने से पहले 2016 में अभिरामी को वेब सीरीज श्ब्जतस ।सज क्मसमजमश में देखा गया। अभघ्रिामी तमिल फिल्घ्मों, टीवी और ओटीटी, तीनों ही इंडस्घ्ट्री में पॉपुलैरिटी बटोर चुकी हैं। साल 2019 में रिलीज वेब सीरीज श्इरु ध्रुवमश में वह लीड रोल में नजर आई थीं, जिसकी खूब तारीफ हुई। फिलहाल, वह श्नेरुनजीश और श्अगस्घ्त 27श नाम की दो फिल्घ्मों के लिए शूटिंग कर रही हैं। तमिल फिल्मों और टीवी की एक्ट्रेस अभिरामी वेंकटाचलम ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर सब्सक्रिप्शन पेज शुरू किया था। करीब 700 लोगों ने उन्हें सब्सक्राइब किया लेकिन हाल ही में कुछ ऐसा हुआ, जिससे एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगीं। सब्सक्राइबर्स कर रहे थे गलत डिमांड दरअसल, अभिरामी के सब्सक्रिप्शन वाले पेज पर उनके कुछ सब्सक्राइबर्स उनसे गलत तरह की डिमांड कर रहे थे और बेहूदा व्यवहार कर रहे थे, जिससे एक्ट्रेस को गुस्सा आ गया और उन्होंने कड़े शब्दों में एक स्टोरी अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की। मैं यहां कपड़े उतारने नहीं आई स्टोरी में उन्होंने लिखा, 'डियर सब्सक्राइबर्स, जो लोग मुझे प्यार और सपोर्ट करते हैं, उनका मैं दिल से धन्यवाद करती हूं। मैंने यह प्लेटफॉर्म अपनी यूनिक और आर्टिस्टिक तस्वीरें शेयर करने के लिए शुरू किया है, जो मैंने पहले कभी पोस्ट या एक्सपेरिमेंट नहीं की थीं। अगर यहां कोई यह उम्मीद कर रहा है कि सब्सक्रिप्शन लेने के बाद मैं कपड़े निकालकर खड़ी हो जाऊंगी, तो आप आराम से अनसब्सक्राइब कर सकते हैं। मुझे क्या पोस्ट करना है, यह बताना आपका काम नहीं है। मैं यहां अपनी क्रिएटिविटी शेयर करने के लिए हूं। जो लोग इसे एक आर्ट की तरह देखते हैं, उनका स्वागत है। यह कोई अश्लील साइट नहीं है।' अभिरामी का एक्टिंग करियर बता दें कि अभिरामी ने साल 2017 में उन्होंने मिस तमिलनाडु का खिताब जीता था, जो उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इसके बाद एक्ट्रेस ने 2018 में फिल्म नोटा से डेब्यू किया था और 2019 में नरकोंडा पारवाई में अपने रोल के लिए काफी पहचान हासिल की। इस फिल्म में वह अजित कुमार के साथ नजर आई थीं। अभिरामी वेंकटाचलम इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की एक मल्टीटैलेंटेड पर्सनालिटी हैं।

हिंदी सिनेमा की खूबसूरत अदाकाराओं में गिनी जाने वाली मधुबाला की बायोपिक को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। फिल्म में उनकी भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर नए नाम सामने आ रहे हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, लीड रोल के लिए सारा अर्जुन का नाम सबसे आगे है। फिल्म को संजय लीला भंसाली प्रोड्यूस करेंगे, जबकि निर्देशन जसमीत के रीन करेंगी। सारा अर्जुन इन दिनों अपनी फिल्म धुरंधर को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। इसी के बाद उनके करियर को नया मोड़ मिला और अब उन्हें मधुबाला जैसी आइकॉनिक शख्सियत का किरदार निभाने का मौका मिल सकता है। टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म फिलहाल प्री–प्रोडक्शन स्टेज में है।

रणबीर कपूर की बहन और आलिया भट्ट की ननद रिद्धिमा कपूर साहनी जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं. वह फिल्म श्दादी की शादीश के जरिए पहली बार बड़े पर्दे पर नजर आएंगी. उनके इस नए सफर को लेकर परिवार और फैंस दोनों काफी एक्साइटेड हैं. आलिया भट्ट ने किया ननद रिद्धिमा कपूर का सपोर्ट आलिया भट्ट भी अपनी ननद के लिए चीयरलीडर बन गई हैं. आलिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी सेक्शन में फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट वाला पोस्टर शेयर करते हुए खुशी जाहिर की. उन्होंने लिखा, श्वीववव नीतू और रिद्धिमा कपूर साहनीश, साथ ही डिजी और रेनबो इमोजी भी शेयर किए. कब रीलीज होगी फिल्म? एक फैमिली एंटरटेनर के तौर पर पेश की जा रही फिल्म श्दादी की शादीश इस साल 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर रिलीज डेट शेयर करते हुए लिखा, श्दादी इंटरनेट पर धूम मचा रही हैं और सारे नियम भी तोड़ रही हैं! क्या परिवार उनके साथ है या उनके खिलाफ? 8 मई को रिलीज होगी. रही दादी की शादी में जानिए. ळमद ्र से ळमद ̧ तक, सभी इनवाइटेड हैं. श बता दें।

अनुभव सिन्हा की ये 5 फिल्में बताती हैं भारतीय कानून की असली तस्वीर, सिस्टम पर उठाती हैं बड़े सवाल

फिल्मकार अनुभव सिन्हा ने हिंदी सिनेमा में अपनी विशिष्ट पहचान उन कथाओं के माध्यम से स्थापित की है, जो सत्ता, न्याय और सामाजिक विषमता पर प्रश्न उठाती हैं। हाल के वर्षों में उनकी रचनाएँ भारतीय कघनून की जटिलताओं से गहराई से संवाद करती दिखाई देती हैं, जहाँ न्यायालयीन संघर्ष, संवैधानिक अधिकार और संस्थागत कमजोरियाँ स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आती हैं। यहाँ उनकी पाँच महत्त्वपूर्ण फिल्में प्रस्तुत हैं, जो भारतीय विधिक संरचना का गंभीर विश्लेषण करती हैं।

1. अस्सी

एक प्रभावशाली न्यायालयीन नाटक, अस्सी रहस्यमयी यौन उत्पीड़न के अनेक मामलों के इर्द–गिर्द घूमती है, जो जाँच–प्रक्रिया और विधिक व्याख्याओं दोनों को चुनौती देते हैं। जब एक अन्वेषक और प्रतिरक्षा पक्ष की टीम मामले की तह तक पहुँचने का प्रयास करती है, तब कथा आँकड़ों से आगे बढ़कर व्यवस्था में निहित असुविधाजनक सत्य को उजागर करती है। ताप्सी पन्नू अभिनीत यह फिल्म इस बात पर प्रकाश डालती है कि विधि संवेदनशील अपराधों से किस प्रकार जूझती है साक्ष्य, पक्षपात और प्रमाण के भार जैसे प्रश्नों को केंद्र में रखते हुए। साथ ही, यह उन मानवीय पीड़ाओं को भी सामने लाती है, जो प्रायः समाचारों की सुर्खियों में ओझल हो जाती हैं।

2. आर्टिकल 15

वास्तविक घटनाओं से प्रेरित आर्टिकल 15 एक पुलिस अधिकारी की कथा है, जो दलित बालिकाओं के लापता होने की जाँच करते हुए गहरे पैठे सामाजिक भेदभाव का सामना करता है। फिल्म का शीर्षक भारतीय संविधान के आर्टिकल 15 आफ द इंडिया से लिया गया है, जो धर्म, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है। यह फिल्म दर्शाती है कि संवैधानिक आदर्श और सामाजिक यथार्थ के बीच कितना गहरा अंतर विद्यमान है।

3. थप्पड

जेंचचंक एक साधारण प्रतीत होने वाली घरेलू हिंसा की घटना एक थप्पड़ से आरम्भ होकर व्यापक विधिक और नैतिक विमर्श का रूप ले लेती है। यह फिल्म एक स्त्री के तलाक लेने के निर्णय के माध्यम से यह प्रश्न उठाती है कि समाज किस प्रकार हिंसा को सामान्य बना देता है। न्यायालयीन प्रक्रियाओं और भावनात्मक घटनाक्रमों के माध्यम से, यह व्यक्तिगत गरिमा और वैवाहिक समानता की रक्षा में विधि की भूमिका को रेखांकित करती है।

4. मुल्क

एक सशक्त न्यायालयीन नाटक, डनसा पहचान, पूर्वाग्रह और न्याय के प्रश्नों को केंद्र में रखती है। कथा एक मुस्लिम परिवार के इर्द–गिर्द घूमती है, जिस पर एक आतंकवादी को शरण देने का आरोप लगाया जाता है। यह फिल्म न्यायपालिका की उस भूमिका को प्रस्तुत करती है, जहाँ सत्य की पुनर्स्थापना का प्रयास किया जाता है, साथ ही यह भी दर्शाती है कि सामाजिक पूर्वाग्रह विधिक प्रक्रियाओं को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।

5. भीड़

यद्यपि भीड पारंपरिक अर्थों में न्यायालयीन नाटक नहीं है, तथापि यह भारतीय विधि और शासन की वास्तविकताओं से गहराई से जुड़ी हुई है। कोविड–19 लॉकडाउन की पृष्ठभूमि में स्थापित यह फिल्म दर्शाती है कि आपातकालीन परिस्थितियों में जारी विधिक आदेशों का जमीनी स्तर पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसका मूल संवैधानिक अधिकारों विशेषतः आवागमन की स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा तथा राज्य की शक्ति के मध्य अंतर्विरोध को उजागर करना है। यह फिल्म विधि के क्रियान्वयन में विद्यमान असमानताओं और विसंगतियों को सामने लाती है।

रणवीर सिंह को कोई को–एक्टर पीछे नहीं छोड़ सकता, 'धुरंधर' की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने की जमकर तारीफ

रणवीर सिंह को लेकर इंडस्ट्री में एक जैसी राय देखने को मिलती है चाहे वह उनके को–स्टार्स हों, तकनीशियन हों या क्रू मेंबर्स। सभी का मानना है कि उनकी सुपरस्टारडम सिर्फ उनकी शानदार एक्टिंग का नतीजा नहीं है, बल्कि उनकी विनम्र और सहयोगी पर्सनैलिटी भी इसकी बड़ी वजह है। उनके साथ काम कर

चुके लोग उन्हें एक आत्मविश्वासी और सुरक्षित अभिनेता बताते हैं, जो हर प्रोजेक्ट को टीमवर्क के तौर पर देखते हैं। धुरंधर की जबरदस्त सफलता के बाद रणवीर सिंह ने इंडस्ट्री में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। फिल्म लगातार बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बना रही है और दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया हासिल कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म ने हिंदी नेट बॉक्स ऑफिस पर ध्1000 करोड़ का आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया है, जिससे रणवीर सिंह को एक अलग पहचान मिली है। फिल्म में उनकी पत्नी यालिना जमाली का किरदार निभाने वाली सारा अर्जुन ने रणवीर सिंह के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, "कोई भी कभी रणवीर सिंह को को–एक्टर के रूप में पीछे नहीं छोड़ पाएगा। वह मानते हैं कि यह सिर्फ उनकी फिल्म नहीं, बल्कि पूरी टीम की फिल्म है। वह तकनीशियनों, स्पॉट बॉयज और हर क्रू मेंबर के साथ बराबर सम्मान और गर्मजोशी से पेश आते हैं और कभी अपनी सीनियरिटी का दिखावा नहीं करते। रणवीर सिंह की यह छवि इंडस्ट्री में व्यापक रूप से सराही जाती है। वह सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं, बल्कि एक ऐसा कलाकार बनकर उभरे हैं। जो सेट पर सकारात्मक और सहयोगी माहौल बनाते हैं। उनकी यही खासियत उन्हें बाकी सितारों से अलग बनाती है। लगातार मिल रही सफलता और दर्शकों के प्यार के साथ, रणवीर सिंह अब भारतीय सिनेमा के सबसे प्रभावशाली कलाकारों में अपनी जगह और मजबूत कर चुके हैं।

क्या बार-बार गैस पास होना गंभीर बीमारी का संकेत है? जानें क्या कहते हैं हेल्थ एक्सपर्ट!

❍ बार-बार गैस पास होना आम बात है और ये पाचन प्रक्रिया का हिस्सा है। दिन में 20-30 बार गैस पास होना सामान्य माना जाता है। लेकिन ज्यादा होने पर डाइट या कुछ बीमारियां कारण हो सकती हैं। लंबे समय तक समस्या रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

हमारे आजकल के लाइफस्टाइल में पेट से जुड़ी समस्याएं आम हैं। इन्हीं में से एक ही बार–बार गैस पास करना। ये समस्या आमतौर पर हर उम्र के लोगों के साथ देखने को मिल जाती है। कुछ लोग दिनभर में कई–कई बार गैस पास करते हैं, जो शुरुआत में उतनी गंभीर समस्या नहीं लगती। लेकिन जैसे–जैसे ये बढ़ती जाती है, तो डाउट होने लगता है कि कहीं पेट में कोई गड़बड़ी तो नहीं? कहीं ये किसी छिपी बीमारी का तो संकेत नहीं है? अगर आपके साथ भी यही स्थिति बनी रहती है, तो चलिए आज डिटेल में जानते हैं कि इसपर हेल्थ एक्सपर्ट्स की क्या राय है। ये नॉर्मल है या वाकई डरने वाली बात है।

एक दिन में कितनी गैस बनना नॉर्मल है?

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि आखिर ये गैस बनती क्यों है। डॉक्टर्स की मानें तो हम जब भी कुछ खाते पीते हैं, तो उसका पाचन होता है और इसी दौरान गैस बनती है। यानी गैस एक प्रकार से डाइजेशन का बायप्रोडक्ट है, जो बिल्कुल नॉर्मल है। गैस या तो फार्ट के रूप में बाहर निकलती है या फिर डकार के रूप में। ऐसे में एक नॉर्मल व्यक्ति का दिन में 20–30 बार गैस पास होना बिल्कुल सामान्य है और इसमें कोई भी घबराने वाली बात नहीं है।

ज्यादा गैस पास होने के कारण क्या हैं?

ज्यादा गैस बनाने वाले फूड आइटम

कुछ ऐसे फूड आइटम होते हैं, जिन्हें खाने से नॉर्मली ज्यादा गैस बनती है। उदाहरण के लिए फूलगोभी, पत्तागोभी, प्याज, ब्रोकोली, लहसुन, आम, डेयरी प्रोडक्ट्स, गेहूं, चीनी से बने प्रोडक्ट्स, पैकेज्ड फूड, आइसक्रीम, नाशपाती आदि। ये फूड हमारा शरीर मुश्किल से पचा पाता है, लेकिन बैक्टीरिया इनसे गैस जरूर बना लेता है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

अगर नॉर्मल से ज्यादा गैस पास हो रही है, तो कुछ बीमारियां भी इसकी वजह हो सकती हैं। इनमें सबसे पहला है सीलिएक डिजीज (Celiac Disease), जिसमें आंतें ग्लूटेन नहीं पचा पाती हैं, जिससे ज्यादा गैस बनती है। इसके अलावा गर्ड (GERD) गैस्ट्रोइसोफेजियल रिफ्लक्स डिजीज भी एक वजह हो सकता है। इसमें पेट का एसिड भोजन की नली में आने लगता है, जिससे गैस डकार के रूप में बाहर आती है।

जिन लोगों को लैक्टोज इनटॉलरेंस है, उन्हें भी ज्यादा गैस पास होने की समस्या हो सकती है। इसमें डेयरी प्रोडक्ट्स को पचाना मुश्किल होता है, जिससे गैस काफी बनती है। इसके साथ ही पेट (Irritable Bowel Syndrome), खाने का पेट में ज्यादा देर पड़े रहना (Gastroparesis), छोटी आंत में बैक्टीरिया ग्रोथ होना या इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज जैसी बीमारियां जिम्मेदार हो सकती हैं। गंभीर मामलों में कोलन कैंसर भी एक वजह हो सकता है।

कैसे करें कंट्रोल और कब लें डॉक्टर की सलाह

दिन में 20 से 30 बार फार्ट आना नॉर्मल है, लेकिन अगर इससे ज्यादा गैस पास हो रही है तो आपको अपनी डाइट पर ध्यान देना चाहिए। साथ में थोड़ी वॉक या हल्की एक्सरसाइज करना भी मदद करता है। हालांकि अगर लंबे समय तक ये समस्या बनी हुई है और पेट से जुड़े अन्य लक्षण भी दिख रहे हैं, तो एक बार डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

नोट : यह लेख केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से लिखा गया है। इसे किसी भी तरह से पेशेवर मेडिकल सलाह का विकल्प न मानें। किसी भी स्वास्थ्य समस्या या मेडिकल कंडीशन से जुड़े सवालों के लिए हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

दादी का सीक्रेट : गर्मियों में कान गीला रखने की क्यों सलाह देते हैं बड़े-बुजुर्ग, वजह आप भी जान लें

❍ भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में शरीर को हाइड्रेट रखने की जरूरत होती है। साथ ही कुछ देसी उपाय भी आजमा लेने चाहिए जिससे शरीर में ठंडक बनी रहे। जैसे ये दादी का पुराना नुस्खा, जिससे गर्मी कम लगती है।

घर में अगर बड़े–बुजुर्ग हैं तो कभी उन्हें ध्यान से देखें। गर्मियों में मुंह धोते वक्त वो अक्सर कानों को भी पानी से पोंछते हैं। फिर उसे यूं ही गीला छोड़ देते हैं। ये काफी छोटी सी बात है और अक्सर लोग इसे अनदेखा कर देते हैं। लेकिन किसी गांव के बूढ़े दादाजी से पूछेंगे तो पता चलेगा कि ये सदियों पुराना गर्मी और लू से बचने का देसी हैक है। जिसके बारे में काफी सारे लोगों को जानकारी नहीं है। लेकिन ये साइंटिफिकली प्रूवन है, तो सबसे पहले जान लें किस तरह कानों को गीला करें और आखिर कान गीले करने से क्या होगा।

गर्मियों में कान को गीला करें

गर्मी के मौसम में अगर आप आउटडोर रहते हैं। बार–बार धूप में निकलना होता है और दोपहर की चिलचिलाती और तपती धूप से खुद को बचाना चाहते हैं, तो अपने कानों को गीला कर लें। सुनने में अजीब लग रहा होगा लेकिन करके देखें। कानों के आउटर एरिया को पानी से गील करने से शरीर को कूल करने में मदद मिलती है। तो गर्मी में जो भी बाहर धूप में रहता है उसे कान के आउटर एरिया, इयरलोब वाले हिस्से को पानी लगाकर गीला कर लेना चाहिए।

आखिर क्यों कान को गीला करने से शरीर की गर्मी कम होती है?

कान के जरिए शरीर में तेजी से आसपास की ठंडक या गर्मी पहुंचती है। जैसे ठंड में कानों को गर्म रखने और ढंककर रखने की सलाह दी जाती है, जिससे ठंडी हवा कान में ना घुसे। उसी तरह से कानों को गर्मी में गीला रखने यानी कि ठंडा रखने की सलाह दी जाती है। इसका साइंटिफिक कारण है कि कानों की स्किन बहुत पतली होती है और यहां पर फैट की मात्रा नहीं होती। वहीं इसमें छोटी ब्लड वेसल्स बहुत सारी होती हैं। क्योंकि ये वेसल सतह के बहुत पास होती हैं, इसलिए पानी लगाने से तेजी से हीट एक्सचेंज होता है। जैसे ही पानी आपके कानों में खून को ठंडा करता है, वह ठंडा खून आपके शरीर में वापस सर्कुलेट होता है, जिससे आपके शरीर का टेम्परेचर कम करने में मदद मिलती है। कानों को ठंडा करने से हाइपोथैलेमस को तुरंत सिग्नल जाता है, यह आपके दिमाग का वह हिस्सा है जो थर्मोस्टेट का काम करता है। इससे ज्यादा गर्मी लगने के एहसास से तुरंत साइकोलॉजिकल और फिजिकल राहत मिल सकती है।

शरीर के इन हिस्सों को भी गीला रखने के गर्मी कम लगेगी

कान की तरह ही अगर आप कलाईयों, गर्दन के किनारों और कनपटी को पानी से गीला रखेंगे तो भी शरीर जल्दी ठंडा होगा और गर्मी की वजह से शरीर का टेंपरेचर तेजी से नहीं बढ़ेगा। तो इस गर्मी ये हैक घर में रहकर भी ट्राई करें, गर्मी से राहत मिलेगी।

पसीने की बदबू से छुटकारा कैसे पाएं? नहाने के पानी में मिलाएं ये 5 चीजें, दिनभर रहेगी फ्रेशनेस

❍ गर्मी में पसीने की बदबू काफी तेज आती है, ऐसे में लोग कई परफ्यूम और साबुन का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी पसीने की बदबू से परेशान रहते हैं, तो राहत पाने के लिए पानी में बस 5 चीजें मिलाकर नहाएं।

समर सीजन में तेज धूप और बढ़ती गर्मी की वजह से शरीर से ज्यादा पसीना निकलना आम बात है। लेकिन कई लोगों को पसीने की बदबू की समस्या ज्यादा परेशान करती है, जो न सिर्फ खुद को असहज करती है बल्कि आसपास के लोगों के लिए भी मुश्किल बन जाती है। कई बार ये बदबू इतनी तेज होती है कि लगता है जैसे नहाया ही नहीं हो। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, असल में बदबू पसीने से नहीं बल्कि बैक्टीरिया से आती है। जब पसीना त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया के संपर्क में आता है, तो केमिकल रिएक्शन होता है और इससे बदबू पैदा होती है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं और लोगों के बीच जाने में झिझक महसूस करते हैं, तो एक आसान उपाय अपनाया जा सकता है। नहाने के पानी में सिर्फ 5 खास चीजें मिलाकर नहाने से शरीर में बैक्टीरिया कम होते हैं और पसीने की बदबू से राहत मिलती है।

कौन सी चीजें नहाने के पानी में मिलाएं–

1– नीम का पानी

नहाने के पानी में आप नीम का पानी मिला सकते हैं, नीम एंटी–बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है। नीम का पानी बाजार में आसानी से मिल जाता है और इसे घर पर भी बना सकते हैं। नीम की पत्तियों को नमक–पानी के साथ उबाल लें। फिर इसे छान लें और पानी तैयार हो जाएगा। अब हर दिन पानी के साथ नीम वॉटर मिक्स करें।

2– नींबू का रस

नींबू में एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को कम करते हैं। एक बाल्टी पानी में 1–2 नींबू का रस मिला लें। बस फिर इस पानी से नहाएं, ये पानी शरीर के साथ बालों के लिए भी अच्छा रहेगा। बस ध्यान रखें कि रस को छानकर ही पानी में मिक्स करें।

गुलाबजल त्वचा को ताजगी देता है और ठंडक भी। साथ ही इसमें गुलाबों वाली अच्छी खुशबू आती है, ऐसे में आप नहाने के पानी में गुलाब जल मिक्स करें। इससे पूरे दिन ताजगी बनी रहेगी और पसीने की बदबू से राहत मिलेगी।

4– बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा पानी में घुल जाने वाला सॉल्यूशन है, जो महसूस नहीं होगा। बेकिंग सोडा क्लीनिंग एजेंट होता है, जिससे त्वचा पर बैक्टीरिया नहीं आएंगे। ऐसे में आपके पसीने की बदबू भी नहीं आएगी। एक बाल्टी पानी में आधा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं।

फिटकरी नैचुरल एंटीसेप्टिक होता है, जो शरीर की बदबू कम करने में मदद करेगा। फिटकरी पानी में घुल जाता है, इसके पानी से नहाने से कुछ भी महसूस नहीं होगा। आप पहले साबुन लगाकर नहाएं, फिर फिटकरी का पानी ऊपर से एक बार डाल लें। 1 बाल्टी पानी में थोड़ा सा फिटकरी पाउडर या टुकड़ा घोल लें।

नोट– इन चीजों को पानी में मिलाकर नहाने से शरीर से पसीने की बदबू नहीं आएगी। अगर आपको किसी भी चीज से एलर्जी है या परेशानी है, तो इन चीजों को इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करें।

चेहरे पर उग रहे बालों का घरेलू समाधान! इन 5 फेस पैक से फेशियल हेयर की ग्रोथ होगी कम

❍ चेहरे पर उग रहे अनचाहे बाल महिलाओं के कॉन्फिडेंस को कम करने लगते हैं। इनसे छुटकारा पाने के लिए महंगे लेजर ट्रीटमेंट का बजट नहीं तो ट्राई करें ये देसी नुस्खे, जिससे फेशियल हेयर की ग्रोथ कम होगी।

चेहरे पर उगे बाल लड़कियों की खूबसूरती के कॉन्फिडेंस को कम कर देते हैं। थ्रेडिंग, वैक्सिंग और रेजर से इसे हटाने का आसान जरिया समझती हैं तो रुकें, ये फेशियल हेयर का पर्मानेंट सॉल्यूशन नहीं है। अगर आप चाहती हैं कि चेहरे पर निकल रहे बाल हमेशा के लिए खत्म हो जाएं और बाल पहले की तरह ही खूबसूरत नजर आए तो घरेलू नुस्खे ट्राई करके देखें। जो इन फेशियल हेयर की ग्रोथ को कम करने में मदद करेगा और स्किन को सॉफ्ट और स्मूद बनाएगा। ये 5 फेस पैक फेशियल हेयर को रिमूव करने और लाइट करने में मदद करेंगे।

नींबू और चीनी का फेस पैक

नींबू स्किन के लिए नेचुरल ब्लीच का काम करता है। अगर हर रोज इस फेस पैक को फेशियल हेयर पर लगाकर रिमूव किया जाए तो ये बालों की ग्रोथ को हल्का करने, बालों के कलर को हल्का करने में मदद करेगा। वहीं चीनी स्किन को एक्सफोलिएट करेगी जिससे स्किन सॉफ्ट और स्मूद नजर आएगी। दो चम्मच चीनी और एक चम्मच नींबू को मिलाकर घोल लें। फिर इसे फेशियल हेयर वाले एरिया पर लगाएं और आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर गीले टॉवल से वाइप कर दें। सेसेंटिव स्किन वाले नींबू अवॉएड करें।

दही में ये 1 चीज मिलाकर लस्सी बनाते हैं हलवाई! तभी आता है गाढ़ा-मलाईदार स्वाद, रेसिपी

❍ लस्सी बनाना सिंपल तो है, लेकिन कुछ बहुत छोटी-छोटी टिप्स और ट्रिक्स है, जिनसे लस्सी का असली स्वाद आता है। आज हम आपके साथ एक परफेक्ट रेसिपी शेयर कर रहे हैं, साथ ही कुछ टिप्स भी, जिन्हें फॉलो कर के आप बिल्कुल हलवाइयों वाली गाढ़ी मलाईदार लस्सी फटाफट बना लेंगे।

गर्मियों के मौसम में कुछ ठंडा–ठंडा पीने को मिल जाए तो मजा ही आ जाता है। ऐसे में अपनी देसी कोल्ड ड्रिंक लस्सी सभी की फेवरिट बन जाती है। इसका गाढ़ा मलाईदार स्वाद हर किसी को दीवाना बना देता है। अब लस्सी बनाना तो कोई रॉकेट साइंस नहीं है। दही और चीनी से फटाफट लस्सी बन जाती है। लेकिन वो हलवाई वाला स्वाद उसमें नहीं आता। वो गाढ़ापन, वो रिच क्रीमी टेस्ट कहीं ना कहीं मिसिंग रहता है। दरअसल लस्सी बनाना सिंपल तो है, लेकिन कुछ बहुत छोटी–छोटी टिप्स और ट्रिक्स है, जिनसे लस्सी का असली स्वाद आता है। आज हम आपके साथ एक परफेक्ट रेसिपी शेयर कर रहे हैं, साथ ही कुछ टिप्स भी, जिन्हें फॉलो कर के आप बिल्कुल हलवाइयों वाली गाढ़ी मलाईदार लस्सी फटाफट बना लेंगे।

क्रीमी लस्सी बनाने के लिए सामग्री

हलवाइयों जैसी क्रीमी और टेस्टी लस्सी बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं– फ्रेश दही (1 कप), ठंडा दूध (आधा कप), चीनी (1ध्4 कप, स्वादानुसार), आइस क्यूब्स (बर्फ के टुकड़े), इलायची पाउडर (आधा चम्मच) या गुलबजल और गार्निशिंग के लिए ड्राई फ्रूट्स।

हलवाइयों जैसी गाढ़ी मलाईदार लस्सी बनाने का सीक्रेट

आपने रेस्टोरेंट या ढाबे पर लस्सी पी होगी तो नोटिस किया होगा कि उसका स्वाद काफी गाढ़ा और क्रीमी होता है। घर पर ये टेस्ट नहीं आ पाता। इसके लिए आज हम आपके साथ कुछ हलवाइयों वाले सीक्रेट शेयर कर रहे हैं। सबसे पहले तो दही आपको ठंडी और गाढ़ी ही लेनी है, इससे लस्सी का टेक्सचर और स्वाद अच्छा आता है। अब आप या तो इसे मिक्सर में डाल सकते हैं, या ट्रेडिशनल मथनी से लस्सी बना सकते हैं।

सीक्रेट टिपरू अब आती है जबसे जरूरी टिप। आमतौर पर लोग सिर्फ दही और चीनी से लस्सी बना लेते हैं, ये बिल्कुल मीठी दही या छाछ जैसी लगती है। इसमें लस्सी वाला मलाईदार और रिच क्रीमी टेस्ट नहीं आता। इसके लिए आपको दही में ठंडा दूध भी मिलाना चाहिए। जितनी दही ले रहे हैं, उसकी आधी मात्रा में आपको चिल्ड दूध लेना है। फिर देखिए कैसे एकदम हलवाई वाली लस्सी का स्वाद आता है।

अब दही और दूध में थोड़ी सी आइस क्यूब्स यानी बर्फ के टुकड़े भी जरूर मिलाएं। इससे लस्सी में झाग बनते हैं और टेक्सचर काफी अच्छा आता है। साथ ही स्वादानुसार चीनी मिलाएं। फ्लेवर के लिए आप थोड़ा सा इलायची पाउडर या गुलाब जल मिक्स कर सकते हैं। इससे लस्सी में काफी बढ़िया खुशबू और टेस्ट आता है। अब इन सभी चीजों को एक मिनट के लिए मिक्सर में ब्लेंड कर लें। कटे हुए ड्राई फ्रूट्स से गार्निश करें और ठंडी–ठंडी लस्सी सर्व करें, पी कर मजा ही आ जाएगा।

कहीं आप तो नहीं खा रहे हैं हाइब्रिड खीरा? किसान के बताए इन 3 तरीकों से करें देसी खीरे की पहचान

बाजार में मिलावटी के साथ अब इंजेक्शन से पकाई गई फल–सब्जियों की भी भरमार है। ऐसे में खरीदने से पहले समझना पड़ता है क्या सही है और क्या नुकसानदायक। गर्मी का मौसम शुरू होते ही बाजार में खीरा आने लगता है और लोग खीरा खाना पसंद भी करते हैं। खीरा लोग राह चलते भी खा लेते हैं और इसका सलाद–रायता भी बढ़िया लगता है। कभी आपने गौर किया हो तो देखा होगा कि बाजार में मिलने वाले कुछ खीरे चिकने होते हैं, उनका स्वाद मीठा भी नहीं होता। क्या आप जानते हैं इस तरह के खीरे हाइब्रिड होते हैं। अक्सर लोग चिकना और हरा रंग देखकर इसे खरीद लाते हैं लेकिन इसके स्वाद के साथ स्वास्थ्य के लिए होने वाले फायदों के मामले में भी इसमें काफी अंतर होता है।

देसी खीरा और हाइब्रिड खीरा के बीच अंतर

देसी खीरा और हाइब्रिड खीरा दोनों ही आम तौर पर खाये जाने वाले खीरे के अलग–अलग प्रकार हैं, लेकिन इनकी बनावट, स्वाद, पैदावार और खेती के तरीके में काफी अंतर होता है। देसी खीरा प्राकृतिक या पारंपरिक किस्म से उगाया जाता है, जो स्थानीय रूप से किसान उगाते हैं। जबकि हाइब्रिड खीरा दो अलग–अलग किस्मों के क्रॉस–ब्रीडिंग से तैयार किया जाता है।

संक्षिप्त

होर्मुज खुलते ही कुछ महीनों में संभल सकता है खाड़ी तेल उत्पाद, गोल्डमैन सैक्स का अनुमान

मुंबई,एजेंसी। गोल्डमैन सैक्स की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, अगर होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा सुरक्षित तरीके से खुल जाता है, तो खाड़ी देशों का कच्चे तेल उत्पादन कुछ महीनों में काफी हद तक सामान्य हो सकता है। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध से पहले के स्तर पर पूरी वापसी में ज्यादा समय लग सकता है, खासकर यदि पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष के कारण खाड़ी क्षेत्र का तेल उत्पादन 14.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन यानी करीब 57 फीसदी तक घट गया है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि यदि तेल परिसंपत्तियों पर नए हमले नहीं होते और जलडमरूमध्य जल्द खुलता है, तो उत्पादन तेजी से बढ़ सकता है। हालांकि बहाली की रफ्तार परिवहन व्यवस्था, पाइपलाइन क्षमता, खाली टैंकरों की उपलब्धता और तेल क्षेत्रों में मरम्मत कार्यों पर निर्भर करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद खाड़ी क्षेत्र में खाली टैंकर क्षमता लगभग 50 फीसदी घटकर 130 मिलियन बैरल रह गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि सऊदी अरामको और संयुक्त अरब अमीरात के पास अतिरिक्त उत्पादन क्षमता है, जिसका उपयोग बाजार को स्थिर करने में किया जा सकता है। फिर भी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि लंबे समय तक बंदी की स्थिति में पूरी बहाली में कई तिमाहियां लग सकती हैं। बाहरी एजेंसियों के अनुमानों के अनुसार, जलमार्ग खुलने के तीन महीने बाद 70 फीसदी और छह महीने बाद 88 फीसदी उत्पादन बहाल हो सकता है।

भारत के साथ रिश्ते मजबूत करना चाहता है ताइवान, रिपोर्ट में दावा- व्यापार से दोनों देशों को फायदा

नई दिल्ली,एजेंसी। ताइवान भारत के लिए मैन्युफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी और कृषि क्षेत्र में एक मजबूत रणनीतिक साझेदार बन सकता है। ताइवान न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि ताइवान के विशाल विदेशी मुद्रा भंडार, हार्डवेयर निर्माण क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक्स, खनन खोज और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में अनुभव का लाभ भारत अपनी प्रमुख योजनाओं मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया के तहत उठा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत और ताइवान की क्षमताएं एक–दूसरे की पूरक हैं। भारत जहां सॉफ्टवेयर, आईटी सेवाओं और कुशल मानव संसाधन में मजबूत है, वहीं ताइवान हार्डवेयर, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और उच्च स्तरीय विनिर्माण में अग्रणी है। ऐसे में दोनों देशों के बीच सहयोग से आर्थिक रिश्तों को नई दिशा मिल सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का विशाल उपभोक्ता बाजार ताइवान के लिए बड़ा अवसर बन सकता है। इससे ताइवान को चीन पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है, खासकर ऐसे समय में जब चीन के साथ तनाव लगातार बढ़ रहा है। ताइवान की आधुनिक कृषि तकनीक भारत के कृषि क्षेत्र के लिए भी उपयोगी साबित हो सकती है। स्मार्ट फार्मिंग, बेहतर बीज तकनीक, खाद्य प्रसंस्करण और सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में सहयोग से भारतीय किसानों की आय और उत्पादकता दोनों बढ़ सकती हैं। भारत और ताइवान के बीच आर्थिक संबंध पिछले कुछ वर्षों में तेजी से मजबूत हुए हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ा है और निवेश के नए अवसर भी सामने आए हैं। ताइवान के भारत स्थित प्रतिनिधि मुमिन चेन और भारत के महानिदेशक निनाद देशपांडे द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ का प्रतिनिधिमंडल ताइपे गया, जहां ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्ट मोबिलिटी सेक्टर में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इस दौरान सप्लाई चेन को मजबूत करने और संयुक्त विनिर्माण साझेदारी पर जोर दिया गया। 2024 में ऑर्गेनिक उत्पादों को लेकर हुए पारस्परिक मान्यता समझौते से कृषि और व्यापार क्षेत्र में सहयोग को नई गति मिली है। इसके अलावा ताइवान बाह्य व्यापार विकास परिषद और ताइपे कंप्यूटर एसोसिएशन ने मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और बंगलूरू में कार्यालय खोलकर व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि भारत और ताइवान को बाहरी दबावों से ऊपर उठकर अपने रिश्तों को और मजबूत करना चाहिए। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता (थ्ज।) भविष्य में व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को नई ऊंचाई दे सकता है।

जल्द नीलामी करने वाले राज्यों को तोहफा, केंद्र सरकार देगी इनाम

मुंबई,एजेंसी। केंद्र सरकार ने देश में खनन क्षेत्र (माइनिंग सेक्टर) को तेज करने और सुधारने के लिए एक बहुत बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने शुक्रवार को खदानों (माइनिंग ब्लॉक) की नीलामी और उनके काम को जल्द से जल्द शुरू करने वाले राज्यों के लिए 5,000 करोड़ रुपये के वित्तीय इनाम की घोषणा की है। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि देश में खनिजों का उत्पादन तेजी से बढ़ सके। जो राज्य सबसे पहले और सबसे अच्छी तरह से काम करेंगे, उन्हें इस योजना का फायदा पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सबसे पहले मिलेगा। यह एक अहम खबर है क्योंकि इससे राज्यों का विकास होगा और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। शुक्रवार को खनन मंत्रालय ने इस बड़े फैसले की जानकारी दी। सरकार ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष की सफलताओं को देखते हुए, वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजनाश (एसएएससीआई) के तहत 5,000 करोड़ रुपये के इस भारी इनाम को शामिल किया गया है। मंत्रालय ने इसके लिए काम करने के दिशा–निर्देश भी जारी कर दिए हैं। इस योजना का मुख्य मकसद खदानों का काम तेजी से शुरू करना, राज्यों की कमाई को बढ़ाना और खनन क्षेत्र के पूरे कामकाज और तकनीक को सुधारना है। इस योजना को सरकार ने तीन अलग–अलग हिस्सों में बांटा है। पहले हिस्से के तहत उन राज्यों को इनाम का पैसा दिया जाएगा जो खनन से जुड़े बड़े और जरूरी सुधारों को पूरा करेंगे। इसमें राज्यों को अपने डेटा को श्राष्ट्रीय खनन पोर्टलश के साथ पूरी तरह से जोड़ना होगा। इसके अलावा, राज्यों को हर साल खदानों की नीलामी का एक पूरा सालाना कैलेंडर भी प्रकाशित करना होगा ताकि सभी काम समय पर और सही तरीके से हो सकें। योजना के दूसरे हिस्से में सरकार ने नीलामी की प्रक्रिया को आसान और तेज बनाने पर जोर दिया है। इसके तहत उन राज्यों को वित्तीय इनाम दिया जाएगा जो बड़े खनिज ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी करेंगे। लेकिन इसमें एक बड़ी शर्त यह है कि इन खदानों के लिए जंगल, पर्यावरण और जमीन से जुड़ी सभी जरूरी मंजूरियां (क्लियरेंस) पहले से ही पूरी होनी चाहिए।

हरभजन सिंह ने थप्पड़ कांड से कमाए 1 करोड़ रुपए, श्रीसंत का सनसनीखेज दावा

नई दिल्ली,एजेंसी। हाल ही में दावा किया है कि भज्जी ने इस घटना से 1 करोड़ रुपए कमाए हैं। समय–समय पर दोनों वर्ल्ड कप विनिंग खिलाड़ियों के बयान के चलते यह मुद्दा सुर्खियां बटौरता रहा है। पिछले दिनों आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने इस थप्पड़कांड का वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सबको हैरान कर दिया है। श्रीसंत का अब कहना है कि वह इस 'थप्पड़ कांड' के लिए भज्जी को माफ तो कर चुके हैं, मगर इसे कभी भूलेंगे नहीं। इससे यह पता चलता है कि भज्जी और श्रीसंक के रिश्ते में एक बार फिर खटास पैदा हो गई है। आईपीएल के सबसे बड़े विवादों में से एक हरभजन सिंह और श्रीसंत का यह थप्पड़ कांड है। आईपीएल के पहले सीजन में जब भज्जी मुंबई इंडियंस से तो श्रीसंक पंजाब किंग्स के लिए खेलते थे। दोनों टीमों के बीच हुए एक मुकाबले के बाद जब खिलाड़ी हैंडशेक कर रहे थे, तो भज्जी ने श्रीसंक को थप्पड़ लगाया था। इस विवाद के बाद हरभजन सिंह पर बैन भी लगा था। हाल तक, कोई प्रॉब्लम नहीं थी, लेकिन उसने एक बार फिर इस बारे में एक ऐड बनाया। उसने इससे लगभग 80 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये कमाए। फिर उसने मुझे कॉल किया और इस बारे में एक स्टोरी पोस्ट करने के लिए कहा। मैंने उससे कहा, मैं माफ कर दूंगा लेकिन कभी नहीं भूलूंगा।श अगर कोई आपके साथ गलत करता है, तो आपको उसे माफ कर देना चाहिए लेकिन कभी नहीं भूलना चाहिए। अगर आप भूल जाते हैं, तो वह फिर से वही करेगा। वह इसका

सबसे बड़ा उदाहरण है। इसमें कोई शक नहीं है।

हरभजन की हाल की हरकतों से निराश श्रीसंत ने कहा कि अब उनका टर्बनेटर के साथ कोई रिश्ता नहीं है, जिसे वह भाई कहते थे। हालांकि उन्होंने 2008 के IPL सीजन के दौरान हरभजन को थप्पड़ मारने के लिए माफ कर दिया है, लेकिन वह पूर्व ऑफ–स्पिनर की हरकतों को नहीं भूले हैं। श्रीसंत ने कहा, मेरा उस इंसान से कोई रिश्ता नहीं है। मैं उसे भाई कहता था। लेकिन पिछले एक–दो महीने में उसने वह ऐड किया, और अब मैंने उसे इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया है। मेरे माता–पिता ने मुझे माफ करना सिखाया है लेकिन कभी भूलना नहीं। मुझे उससे कोई शिकायत नहीं है, न ही मुझे उसकी जरूरत है। भगवान उसे और उसके परिवार को आशीर्वाद दे। कई इंटरव्यू में, अश्विन के साथ भी, उसने मेरी बेटी के बारे में बात की। लोग सोचेंगे, ओह, वह कितना अच्छा इंसान है। वह एक अच्छा इंसान हो सकता है। लेकिन मेरे लिए, इंडिया के लिए खेलने के समय से लेकर अब तक, यह सब एक नाटक है। वह नाटक कुछ ऐसा है जिसे श्रीसंत स्वीकार नहीं करता।

मुश्किल समय में अल्कारेज को मिला नडाल और सिनर का साथ, चोट के कारण फ्रेंच से हटने को हुए थे मजबूर

नई दिल्ली,एजेंसी। कलाई की चोट की वजह से फ्रेंच ओपन 2026 से अपना नाम वापस लेने वाले स्पेन के युवा खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज को टेनिस जगत के दिग्गजों का समर्थन मिला है। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल और मौजूदा समय में अल्कारेज के सबसे बड़े प्रतियोगी यानिक सिनर ने इस मुश्किल समय में अल्कारेज का समर्थन किया है। राफेल नडाल ने सोशल मीडिया के जरिए अल्कारेज का मनोबल बढ़ाया। नडाल ने लिखा कि ऐसे कठिन समय खिलाड़ी की असली ताकत को सामने लाते हैं और उन्हें भरोसा है कि अल्कारेज जल्द ही पहले से भी मजबूत होकर वापसी करेंगे।

नडाल का यह संदेश टेनिस समुदाय में काफी सराहा जा रहा है, क्योंकि दोनों खिलाड़ियों के बीच खास रिश्ता माना जाता है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी सिनर ने भी अल्कारेज के समर्थन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि टेनिस को अल्कारेज जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है, क्योंकि उनके होने से खेल और रोमांचक बनता है। दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल अल्कारेज को यह चोट बार्सिलोना में खेले गए एटीपी 500 टूर्नामेंट के पहले दौर के मुकाबले के दौरान लगी थी। शुरुआती जांच के बाद उन्होंने सावधानी बरतते हुए बड़े टूर्नामेंट से दूरी बनाने का फैसला किया। इस फैसले के साथ यह भी तय हो गया कि वह 2021 के बाद पहली बार पेरिस में होने वाले फ्रेंच ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। अल्कारेज ने भी अपने फैंस को संदेश देते हुए कहा था कि मेडिकल टेस्ट के बाद टीम ने यही फैसला लिया कि फिलहाल उनके लिए आराम करना ही सही रहेगा।

उन्होंने कहा कि यह उनके करियर का कठिन दौर है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि वह जल्द वापसी करेंगे। अल्कारेज हाल ही में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंडस्लैम पूरा किया था। लेकिन चोट के कारण अब उन्हें महत्वपूर्ण रैंकिंग प्वाइंट गंवाने पड़ सकते हैं, क्योंकि रोम और फ्रेंच ओपन में वह अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे।

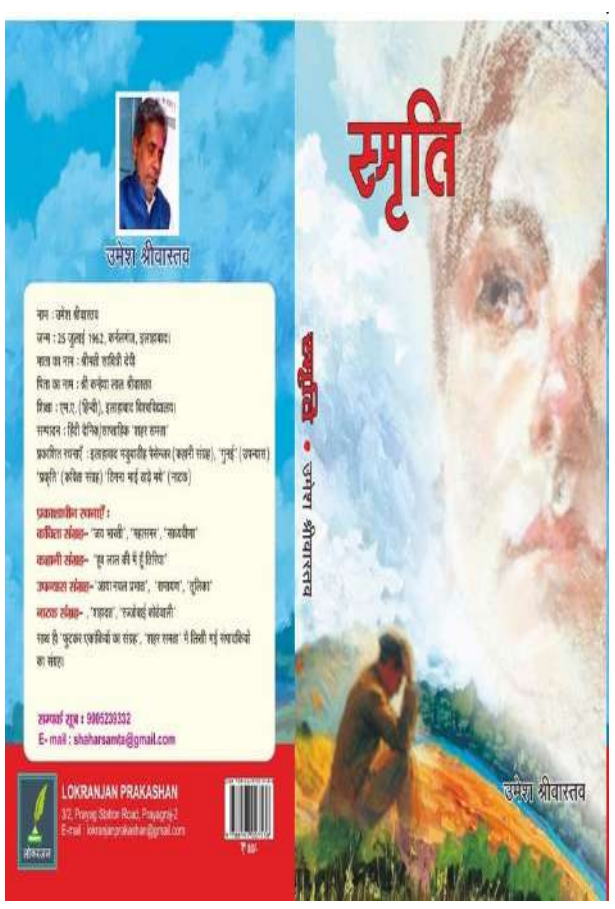

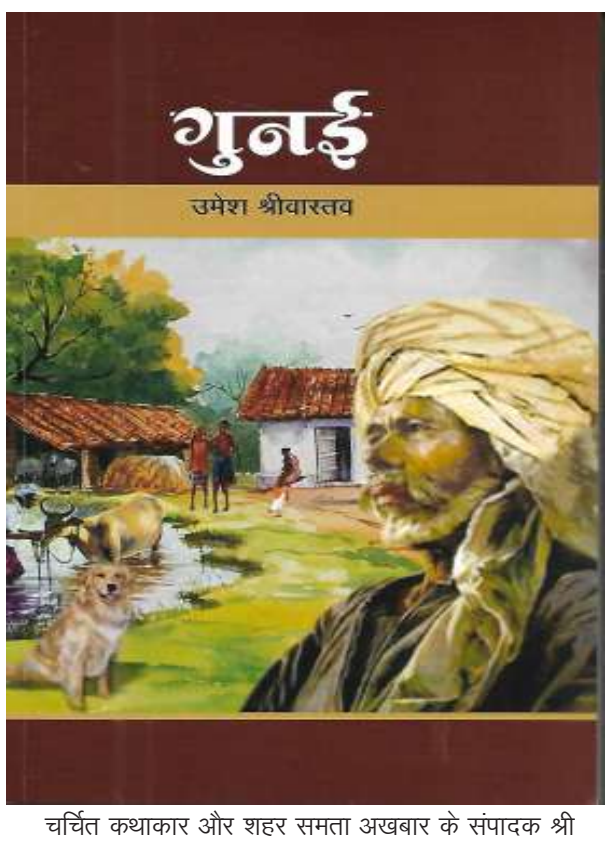

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

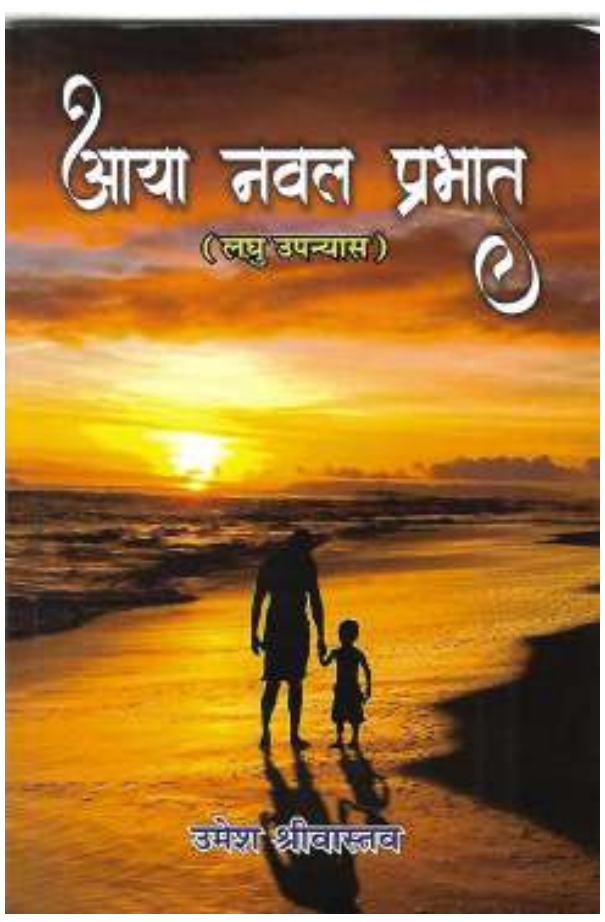

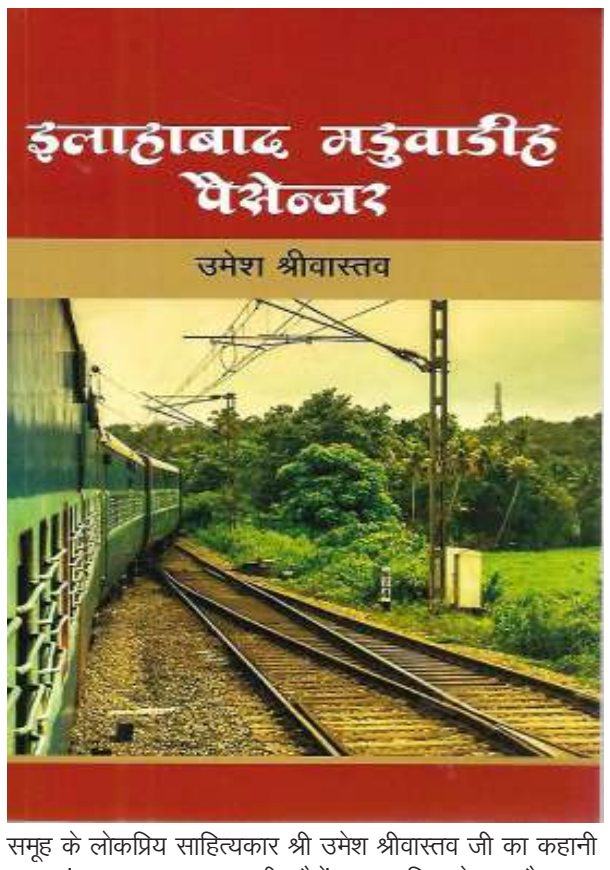

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

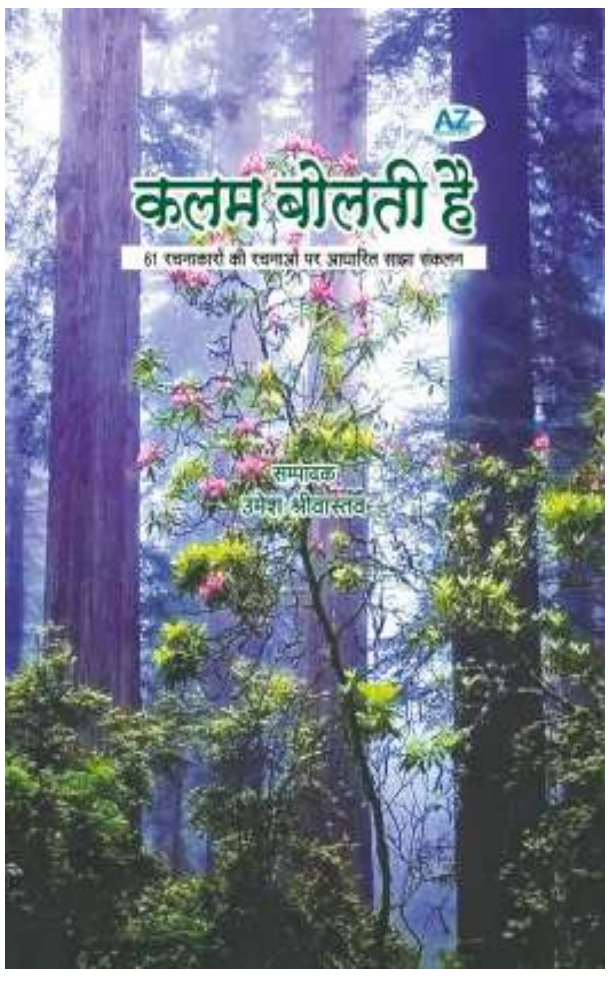

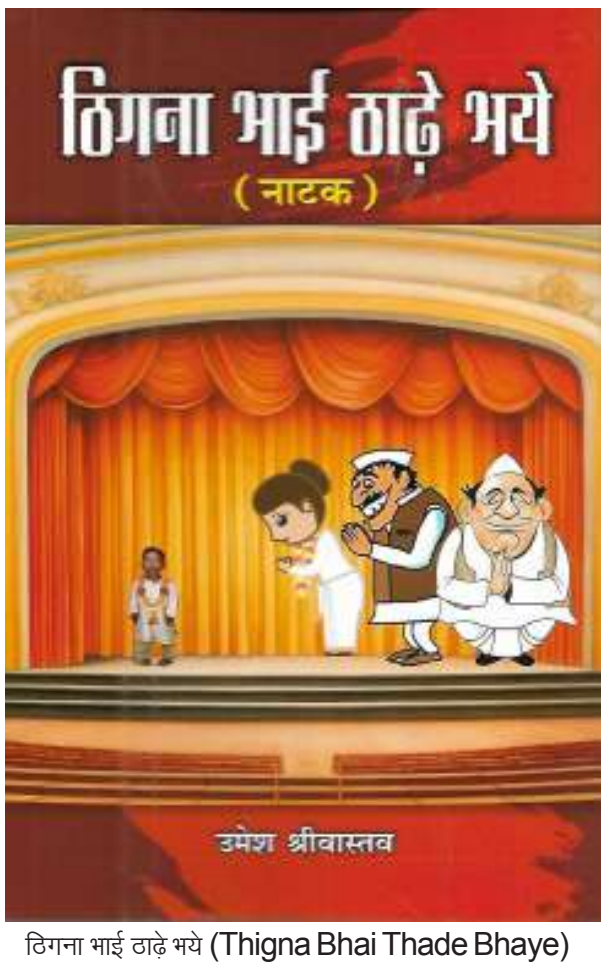

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरान के विदेश मंत्री ने मुनीर से की मुलाकातरू अमेरिका से बातचीत पर संशयय अराघची बोले- नहीं होगी परमाणु वार्ता

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही तनातनी और बातचीत की अटकलों के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने

शनिवार, 25 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर से मुलाकात की है। यह अहम मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका के साथ दूसरे दौर की बातचीत को लेकर पूरी दुनिया में भारी सस्पेंस बना हुआ है। इस मुलाकात को लेकर ईरान ने अपनी स्थिति बिल्कुल साफ कर दी है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने स्पष्ट किया है कि अराघची के पाकिस्तान दौरे का परमाणु वार्ता से कोई लेना–देना नहीं है। खुद अराघची ने भी बताया है कि उनकी इस यात्रा का मुख्य मकसद द्विपक्षीय मामलों पर अपने सहयोगियों के साथ तालमेल बिठाना और क्षेत्रीय विकास पर चर्चा करना है। पाकिस्तान के बाद वह ओमान और रूस की यात्रा पर भी जाएंगे। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका के वार्ताकारों के साथ सीधे तौर पर कोई भी बैठक तय नहीं है। क्या परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करेगा ईरान? ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं करेगा। अजीजी ने जोर देकर कहा कि यह दौरा सिर्फ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा के लिए है। उन्होंने आगे कहा कि परमाणु गतिविधियों के बारे में कोई भी बातचीत ईरान के लिए एक श्रेड लाइनश यानी सख्त मनाही है। दूसरी ओर, अमेरिका लगातार यह मांग कर रहा है कि युद्ध को समाप्त करने के लिए किसी भी शांति समझौते के तहत ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम हर हाल में रोकना होगा। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भी पाकिस्तान पहुंच रहा? भले ही ईरान ने अमेरिका से किसी भी तरह की बातचीत से साफ इनकार किया है, लेकिन व्हाइट हाउस ने एक बड़ा खुलासा किया है। व्हाइट हाउस ने पुष्टि की है कि अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी ईरान वार्ता के लिए शनिवार को पाकिस्तान जा रहे हैं। इतना ही नहीं, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जिन्होंने बातचीत के पहले दौर का नेतृत्व किया था, वह भी इस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने के लिए स्टैंडबाय (तैयार) पर हैं। इस पूरे कूटनीतिक घटनाक्रम के बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी एक अहम बयान सामने आया है। शुक्रवार को ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान की तरफ से एक प्रस्ताव आया है और हमें देखना होगा कि आगे क्या होता है। हालांकि, ट्रंप ने इस कथित प्रस्ताव के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी। उन्होंने आगे बस इतना कहा कि उनकी टीम उन लोगों के साथ बातचीत कर रही है जो अभी वहां के प्रभारी हैं।

बांग्लादेश में आतंकी हमले की आशंका: खुफिया एजेंसियों ने दी चेतावनी, पुलिस ने देशव्यापी सुरक्षा अलर्ट किया जारी

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश पुलिस ने देश भर में महत्वपूर्ण ठिकानों पर संभावित आतंकवादी हमलों को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में संसद परिसर, पूजा स्थलों, मनोरंजन सुविधाओं, और सैन्य व पुलिस प्रतिष्ठानों को संभावित लक्ष्यों के रूप में चिह्नित किया गया है। आर्मरियों को विशेष रूप से खतरे में बताया गया है। यह अलर्ट खुफिया रिपोर्टों के आधार पर जारी किया गया है और इसे तत्काल और गोपनीय बताया गया है। पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर इसकी पुष्टि की। अलर्ट के पीछे की क्या है वजह? सूत्रों के अनुसार, यह अलर्ट हाल ही में एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के सदस्य इस्तिक अहमद सामी उर्फ अबू बकर की गिरफ्तारी के बाद जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि वह दो बर्खास्त सैन्य कर्मियों के संपर्क में था। रिपोर्टों में संभावित हमलों के पीछे दो कथित प्रमुख योजनाकारों की प्रोफाइल भी शामिल है, हालांकि किसी विशेष संगठन का नाम नहीं लिया गया है। संदिग्धों को देश की समग्र सुरक्षा के लिए श्अत्यंत खतरनाकश बताया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को क्या दिया गया निर्देश? पुलिस मुख्यालय ने आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी), विशेष शाखा (एसबी), और आतंकवाद निरोधक और अंतर्राष्ट्रीय अपराध इकाई (सीटीटीसी) सहित विशेष पुलिस इकाइयों को सतर्कता बढ़ाने का निर्देश दिया है। देश भर की नियमित पुलिस को भी उच्च अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है। एक पश्चिमी जिले के पुलिस प्रमुख ने इस पत्र की प्राप्ति की पुष्टि की और बताया कि उनके अधिकार क्षेत्र के स्टेशनों में सुरक्षा उपायों को कड़ा कर दिया गया है। जुलाई विद्रोह के बाद बांग्लादेश में बढ़ी चरमपंथी ताकतें बांग्लादेश ने पिछले 18 महीनों के दौरान, विशेष रूप से जुलाई–अगस्त 2024 में श्जुलाई विद्रोहश नाम के हिंसक छात्र–नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग सरकार के उखाड़ फेंके जाने और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान चरमपंथी ताकतों में बढ़ोतरी देखी है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

काठमांडू में बालेन सरकार का बुलडोजर एक्शन, बागमती नदी के किनारे से हटाए गए सैकड़ों अवैध निर्माण

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल सरकार ने काठमांडू को सुंदर बनाने और बागमती नदी के किनारों को साफ करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। शनिवार को सरकार ने बागमती नदी के किनारे बनी सैकड़ों अवैध झोपड़ियों और ढांचों को बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया है। यह कार्रवाई मुख्य रूप से थापाथली और गैरेगौण इलाकों में की गई है। इस अभियान का मकसद शहर की सुंदरता को वापस लाना और नदी के प्राकृतिक स्वरूप को बचाना है। इस बड़ी कार्रवाई को बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली संघीय सरकार और काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी ने मिलकर अंजाम दिया है। इस काम में सशस्त्र पुलिस बल, नेपाल पुलिस और काठमांडू मेट्रोपॉलिटन पुलिस के जवानों ने भी मदद की। पुलिस के मुताबिक, थापाथली इलाके से लगभग 146 भूमिहीन परिवारों और गैरेगौण इलाके से करीब 200 परिवारों को हटाया गया है। ये लोग वहां कच्ची झोपड़ियों और अस्थायी ढांचों में रह रहे थे। हटाए गए लोगों में से थापाथली के करीब दो दर्जन परिवारों को काठमांडू के दशरथ स्टेडियम और कीर्तिपुर नगर पालिका में बनाए गए अस्थायी शिविरों में सुरक्षित भेज दिया गया है। अवैध ढांचों को हटाने की कोशिश? हां, इन अवैध निर्माणों को हटाने की कोशिश पहले भी हो चुकी है। कुछ साल पहले जब बालेन काठमांडू के मेयर थे, तब भी उन्होंने बागमती नदी के किनारे थापाथली में बने इन ढांचों को हटाने का प्रयास किया था। लेकिन उस समय उनका यह अभियान सफल नहीं हो पाया था। उस वक्त के पी ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने तत्कालीन मेयर बालेन का साथ नहीं दिया था। इस वजह से यह काम बीच में ही रुक गया था। लेकिन इस बार पूरी तैयारी के साथ संघीय सरकार ने इस काम को पूरा किया है।

किसी विवाद के कैसे पूरा हुआ अभियान? अक्सर ऐसी कार्रवाइयों में भारी विरोध और हंगामा देखने को मिलता है, लेकिन इस बार यह अभियान बहुत शांतिपूर्ण तरीके से पूरा हुआ। इसका सबसे बड़ा कारण यह था कि सरकार ने वहां रहने वाले लोगों को कार्रवाई से पहले ही नोटिस दे दिया था। सरकार ने लोगों से अपील की थी कि वे अपना सामान सुरक्षित निकाल लें और जगह को स्वेच्छा से खाली कर दें। इसके साथ ही सरकार ने यह भी वादा किया था कि बेघर हुए लोगों को रहने के लिए दूसरी जगह और पुनर्वास की सुविधा दी जाएगी। इसी वादे के कारण लोगों ने शांति से जगह खाली कर दी। अतिक्रमण हटाओ अभियान का अगला कदम क्या?

सरकार का यह सफाई और अतिक्रमण हटाओ अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। यह एक दो दिन का विशेष अभियान है। अधिकारियों ने बताया है कि थापाथली और गैरेगौण के बाद अब बागमती नदी के किनारे बसे शांतिनगर और गौशाला इलाकों में भी ऐसी ही कार्रवाई की जाएगी। वहां बने अवैध ढांचों को भी इसी तरह से तोड़ा जाएगा। सरकार का लक्ष्य काठमांडू शहर को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त बनाकर उसे एक सुंदर और स्वच्छ शहर का रूप देना है।

माली की राजधानी में खौफ का साया: अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास भारी गोलीबारी, गश्त लगाते दिखे हेलीकॉप्टर

बमाको, एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश माली की राजधानी बमाको एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठी है। शनिवार तड़के बमाको के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और कई अन्य शहरों के पास भारी गोलीबारी की आवाजें सुनी गई हैं। इस अचानक हुई फायरिंग ने स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। माली लंबे समय से आतंकी हमलों का सामना कर रहा है। सुबह मोदिबो केइता अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास से लगातार भारी हथियारों और स्वचालित राइफलों से फायरिंग की आवाजें आ रही थीं। यह हवाई अड्डा शहर के बीचों–बीच से लगभग 15 किलोमीटर (9 मील) की दूरी पर स्थित है। इस हवाई अड्डे के ठीक बगल में माली की वायु सेना का एक एयर बेस भी मौजूद है। हालांकि, अभी तक यह बिल्कुल साफ नहीं हो पाया है कि यह गोलीबारी किसने की है और इसके पीछे की असली वजह क्या है। खबर लिखे जाने तक किसी भी हथियारबंद गुट ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। आसमान में हेलीकॉप्टर क्यों लगा रहे हैं गश्त? गोलीबारी की घटना के बाद इलाके में सुरक्षा काफी कड़ी कर दी गई है। हवाई अड्डे के पास रहने वाले एक स्थानीय नागरिक ने अपनी सुरक्षा के डर से नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उसने भी भारी गोलियों की आवाज सुनी है। इसके साथ ही, लोगों ने आसपास के इलाकों और आसमान में कम से कम तीन हेलीकॉप्टरों को गश्त लगाते हुए देखा है। सेना और सुरक्षा बल स्थिति को नियंत्रण में करने और हमलावरों की तलाश के लिए पूरे इलाके पर हवाई नजर रख रहे हैं। अचानक हुई इस घटना ने लोगों के मन में गहरा डर पैदा कर दिया है। क्या माली में पहले भी हो चुके हैं ऐसे बड़े हमले? यह पहली बार नहीं है जब माली की राजधानी को इस तरह से निशाना बनाया गया है। इसी साल 2024 में, अल–कायदा से जुड़े एक आतंकी समूह ने बमाको के इसी हवाई अड्डे और राजधानी में स्थित एक सैन्य प्रशिक्षण शिविर पर बहुत बड़ा हमला किया था। उस दर्दनाक हमले में कई लोगों की जान चली गई थी। माली पिछले एक दशक से अल–कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े कई खूंखार हथियारबंद समूहों से लगातार जंग लड़ रहा है। यह खूनी लड़ाई सिर्फ माली तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पड़ोसी देशों नाइजर और बुर्किना फासो में भी पूरी तरह से फैली हुई है। क्यों लगातार बिगड़ रही है माली और पड़ोसी देशों की सुरक्षा? पिछले कुछ वर्षों में माली, नाइजर और बुर्किना फासो में सेना ने तख्तापलट करके सत्ता हथिया ली है। सत्ता में आने के बाद इन सैन्य सरकारों (जुंटा) ने इस्लामिक आतंकियों से लड़ने के लिए अपने पुराने पश्चिमी सहयोगियों से नाता तोड़ लिया है और अब वे रूस से मदद ले रहे हैं। इसके बावजूद जानकारों का मानना है कि इन देशों में सुरक्षा के हालात हाल के दिनों में बहुत ज्यादा खराब हो गए हैं। आतंकियों के हमलों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। इसके अलावा, सरकारी सेनाओं पर भी यह गंभीर आरोप लग रहे हैं कि वे उन बेगुनाह आम नागरिकों को मार रहे हैं, जिन पर उन्हें आतंकियों का साथ देने का जरा सा भी शक होता है।

इंडो–पैसिफिक में बढ़ी ताकत: भारत–अमेरिका साझेदारी गहरी, CDS अनिल चौहान की बैठक से रक्षा सहयोग को नया आयाम

वॉशिंगटन एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है। इसी कड़ी में भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अमेरिकी

इंडो–पैसिफिक कमांड के वरिष्ठ अधिकारी जनरल केविन बी. श्नाइडर के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में दोनों देशों ने इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। साथ ही, क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रणनीतिक तालमेल पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने यह स्पष्ट किया कि वे क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय के अनुसार, इस बातचीत में द्विपक्षीय और त्रि–सेवा सहयोग को और विस्तारित करने पर भी सहमति बनी। दोनों देशों ने इस बात को स्वीकार किया कि आधुनिक समय में तकनीक सैन्य शक्ति का अहम आधार बन चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए रक्षा सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में काम करने पर बल दिया गया। इससे पहले, जनरल अनिल चौहान ने ब्रिटेन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें कीं। उन्होंने सर रिचर्ड नाइटन के साथ मुलाकात कर वैश्विक चुनौतियों, साइबर खतरों और व्यापार असंतुलन जैसे मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान भारत और ब्रिटेन ने भी इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। ब्रिटेन दौरे के दौरान जनरल चौहान ने रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज में भी संबोधन दिया, जहां उन्होंने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति और वैश्विक सुरक्षा पर उसके प्रभाव को विस्तार से समझाया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

बांग्लादेश में आतंकी हमले की आशंका: खुफिया एजेंसियों ने दी चेतावनी, पुलिस ने देशव्यापी सुरक्षा अलर्ट किया जारी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश पुलिस ने देश भर में महत्वपूर्ण ठिकानों पर संभावित आतंकवादी हमलों को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में संसद परिसर, पूजा स्थलों, मनोरंजन सुविधाओं, और सैन्य व पुलिस प्रतिष्ठानों को संभावित लक्ष्यों के रूप में चिह्नित किया गया है। आर्मरियों को विशेष रूप से खतरे में बताया गया है। यह अलर्ट खुफिया रिपोर्टों के आधार पर जारी किया गया है और इसे तत्काल और गोपनीय बताया गया है। पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर इसकी पुष्टि की। अलर्ट के पीछे की क्या है वजह?

सूत्रों के अनुसार, यह अलर्ट हाल ही में एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के सदस्य इस्तिक अहमद सामी उर्फ अबू बकर की गिरफ्तारी के बाद जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि वह दो बर्खास्त सैन्य कर्मियों के संपर्क में था। रिपोर्टों में संभावित हमलों के पीछे दो कथित प्रमुख योजनाकारों की प्रोफाइल भी शामिल है, हालांकि किसी विशेष संगठन का नाम नहीं लिया गया है। संदिग्धों को देश की समग्र सुरक्षा के लिए श्अत्यंत खतरनाकश बताया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को क्या दिया गया निर्देश? पुलिस मुख्यालय ने आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी), विशेष शाखा (एसबी), और आतंकवाद निरोधक और अंतर्राष्ट्रीय अपराध इकाई (सीटीटीसी) सहित विशेष पुलिस इकाइयों को सतर्कता बढ़ाने का निर्देश दिया है। देश भर की नियमित पुलिस को भी उच्च अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है। एक पश्चिमी जिले के पुलिस प्रमुख ने इस पत्र की प्राप्ति की पुष्टि की और बताया कि उनके अधिकार क्षेत्र के स्टेशनों में सुरक्षा उपायों को कड़ा कर दिया गया है। जुलाई विद्रोह के बाद बांग्लादेश में बढ़ी चरमपंथी ताकतें बांग्लादेश ने पिछले 18 महीनों के दौरान, विशेष रूप से जुलाई–अगस्त 2024 में श्जुलाई विद्रोहश नाम के हिंसक छात्र–नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग सरकार के उखाड़ फेंके जाने और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान चरमपंथी ताकतों में बढ़ोतरी देखी है। अधिकारियों ने पहले बताया था कि जुलाई विद्रोह के दौरान हुई जेल तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद से मौत की सजा पाए कैदियों और इस्लामी चरमपंथियों सहित सैकड़ों कैदी फरार हैं। कुछ प्रतिबंधित संगठनों के जेल में बंद नेताओं, जिनमें अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के प्रमुख जसीमउद्दीन रहमानी भी शामिल हैं, को अंतरिम अवधि के दौरान जमानत पर रिहा किया गया था।जेल महानिरीक्षक ब्रिगेडियर जनरल सैयद मोताहेर हुसैन ने बताया था कि हिंसा के दौरान लगभग 2,700 कैदी फरार हुए थे, जिनमें से लगभग 700 अभी भी फरार हैं। उन्होंने कहा था कि फरार लोगों में कई आतंकवादी शामिल थे, और जेल गार्डों से हथियार भी लूटे गए थे। जुलाई 2024 में नरसिंग्डी की एक जेल पर हुए हमलों में 800 से अधिक कैदी फरार हुए थे, और कासिमपुर उच्च सुरक्षा जेल में 200 से अधिक कैदी गार्डों को बंधक बनाने के बाद भाग गए थे।

अमेरिका–ईरान वार्ता पर सस्पेंस कायमय इस्लामाबाद में सख्त लॉकडाउन, सड़कों पर पसरा सन्नाटा

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पिछले एक सप्ताह से कड़ा सुरक्षा लॉकडाउन जारी है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसी बीच अमेरिका और ईरान के बीच संभावित दूसरे दौर की वार्ता को लेकर स्थिति और भी अस्पष्ट बनी हुई है। शहर के प्रमुख मार्गों को पूरी तरह सील कर दिया गया है, जबकि 'रेड जोन' क्षेत्र, जहां सरकारी इमारतें और विदेशी दूतावास स्थित हैं, वहां सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। इससे शहर लगभग ठहर सा गया है। बाजारों में सन्नाटा, लोग परेशान इस्लामाबाद के व्यावसायिक इलाके 'ब्लू एरिया' में बाजार सुनसान हैं। कैफे में सामान की कमी देखी जा रही है और सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह ठप है। बस सेवाएं बंद होने से लोग अपने गंतव्यों तक पहुंचने के लिए परेशान हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, सबसे बड़ी समस्या अनिश्चितता बन गई है, जिससे दैनिक जीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। यह इस्लामाबाद में कुछ ही हफ्तों के भीतर दूसरी बार लॉकडाउन है। इससे पहले 11 अप्रैल को अमेरिका और ईरान की बातचीत के दौरान भी शहर को सील किया गया था, जो किसी समझौते के बिना समाप्त हो गई थी। इसके बाद कुछ समय के लिए प्रतिबंध हटाए गए थे, लेकिन फिर से कूटनीतिक गतिविधियों के चलते शहर को बंद करना पड़ा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची शुक्रवार देर रात इस्लामाबाद पहुंचे। यहां उनकी मुलाकात पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व से हुई, जिसमें सेना प्रमुख, विदेश मंत्री और गृह मंत्री शामिल थे। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच सीधी वार्ता को लेकर अब तक कोई स्पष्टता नहीं है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका के साथ कोई बैठक तय नहीं है और ईरान की राय पाकिस्तान के माध्यम से साझा की जाएगी। व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि अमेरिकी विशेष दूत और राष्ट्रपति के सलाहकार पाकिस्तान के लिए रवाना होंगे ।

'यूक्रेन की आड़ में पश्चिम ने रूस के खिलाफ छेड़ा युद्ध', विदेश मंत्री सर्गेई ने यूरोप पर साधा निशाना

एजेंसी/रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पश्चिमी देशों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि यूक्रेन की आड़ में रूस के खिलाफ खुला युद्ध छेड़ा जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन को मोर्चे पर आगे रखकर रूस को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। लावरोव ने यह बयान रूसी गैर–सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में दिया। उन्होंने कहा कि कीव शासन को पश्चिमी देश भाले की नोक की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन वह पश्चिमी हथियारों, खुफिया सूचनाओं, सैटेलाइट सिस्टम, सैन्य प्रशिक्षण और आर्थिक मदद के बिना टिक नहीं सकता।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।